04 - शैक्षिक चक्रव्यूह है खालिस कक्षा आधारित शिक्षा...

05 - शिव तो आशुतोष शशांकशेखर,चन्द्रमौली चिदंबरा

A Daily News Magazine

इंदौर

बुधवार, 26 फरवरी, 2025

06 - मंडी में भाव 3100 रुपये पार, 175 रुपये प्रति क्विंटल वृद्धि के...

07 - उद्योगों के विकास से ही बढ़ेंगे रोजगार के अवसर...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 141, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

महाशिवरात्रि : शिव-पार्वती विवाह में छिपे हुए रहस्य

डॉ.मुरलीधर चांदनीवाला

कितना अनोखा देश है हमारा। पूर्वजों के प्रति कैसी कृतज्ञता से भरे हुए हैं यहाँ के लोग। संसार के माता-पिता कहे जाने वाले शिव-पार्वती के विवाह का दिन महाशिवरात्रि के रूप में जिस उत्साह से मनाया जाता है, वह यह बताने के लिये पर्याप्त है कि भारत के लोग सुख में भी और दुःख में भी उस संसार से प्रेम करते हैं, जो माता-पिता ने दिया।

शिव तो अनादि है, अनंत हैं और पार्वती विश्व के सर्वोच्च स्वाभिमानी हिमवान की राजदुलारी। कहाँ ऊँचे कुल में पली-बढ़ी रमणीय दुख, और कहाँ चिता-भस्म रमाकांत बूढ़े बैल पर घूमते-फिरते बैरागी शिव। इधर शुभ और सौभाग्य से अलंकृत पार्वती, उधर सर्प और रक्तरंजित गजचर्म से लदे शिव। इधर लास्ट, उधर तांडव। इधर गंधमादन पर मंगलध्वनि, उधर श्मशान में गूँजता हाहाकार। शिव और पार्वती की जोड़ी संसार की सबसे बेमेल जोड़ी कही जा सकती है, किन्तु यही जोड़ी प्रेम और समर्पण की बेजोड़ उदाहरण बन गई।

पार्वती संसार की पहली किशोरी है, जिसने कठोर संयम का व्रत धारण करने वाले ऐसे ब्रह्मचारी से प्रेम करने का दुस्साहस किया, जो स्वभाव और प्रकृति से असाधारण है। शिव तो केवल तपस्या की भाषा जानते हैं, इसलिये पार्वती शिव के प्रति अपने प्रेम को तपस्या में बदल लेती है। वह कभी धुआँ पीकर, कभी सूखे पत्ते खाकर, कभी बिल्कुल निराहार रहकर तपस्या करती है। यह एकतरफा प्रेम है, जिसके बारे में शिव कुछ भी नहीं जानते। वे जानना भी नहीं चाहते, क्योंकि वे तो संन्यासी हैं, योगी हैं,काम की दहन कर चुके हैं। वे अखंड ध्यान की उस अवस्था में हैं, जहाँ कोई विचार, कोई क्रिया, कोई रूप प्रवेश कर ही नहीं सकता। किन्तु प्रेम की तपस्या का बल कितना अद्भुत और अपराजेय है कि पार्वती वहाँ प्रवेश कर जाती है। योगीराज शिव की तपस्या में इतनी बड़ी सेंध। ध्यान भंग हुआ। तापसी कन्या के पवित्र सौन्दर्य पर शिव मुग्ध हो उठे।पार्वती के प्रणय-निवेदन के आगे प्रलयंकारी शिव लाचार और बेबस। पार्वती की तपस्या के आगे दास बनकर खड़े हैं शिव। वैराग्य का श्रृंगार होते पहली बार देखा गया। हिमवान और मैना ने कन्यादान किया। तैंतीस करोड़ देवता इस विलक्षण विवाह के साक्षी बने।

आत्मसिद्धि के बाद समाधि से उठ बैठे शिव ने जिस तपस्या से तीनों लोकों को साध लिया था, उसी तपस्या से पार्वती ने शिव को साधा। शिव तपस्या के सौन्दर्य पर रईस उठे थे। यह सौन्दर्य निश्छल था, निष्कपट था, इसलिये अलौकिक था। शिव और पार्वती का मिलन दो तपस्याओं का मधुर मिलन था। यह श्रद्धा और विश्वास का मिलन था, यस शिव और शक्ति का मिलन था। यह ब्रह्मचर्य में घुल कर सिद्ध हुए योग और प्रेम में डूबे हुए अविभक्त समर्पण का मिलन था। कोमलता और कठोरता, राग और विराग, रति और निर्वेद का यह अनूठा सामंजस्य ही प्रेम का निकष है। इसीलिये कहा जाता है कि पार्वती शिव की सिद्धि है, और शिव पार्वती की। शायद इसीलिये योग में, तंत्र में, पुराण-चर्चाओं में, भक्तिसूत्रों में, आख्यानों में महशिवरात्रि को सिद्धिदायक कहा गया है।

डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल ने शिव-पार्वती विवाह में छिपे हुए रहस्य की बहुत गम्भीर विवेचना की है। वे कहते हैं कि पार्वती सुषुम्ना नाड़ी का नाम है। मेरुदंड हिमालय है, इसीके भीतर सुषुम्ना नाड़ी है। यह मस्तिष्क से होती हुई नीचे मूलाधार चक्र तक आती है। षडानन का सम्बंध भी वे षट्-चक्र से मानते हैं। उनके अनुसार यह विवाह अलौकिक है, और अध्यात्म जगत से जुड़ी हुई शिव की योग-सिद्धि है।

शिव के विराट स्वरूप में लीन होकर पार्वती ने संसार की नींव रखी। तपस्या का प्रतिफल कितना सुंदर होता है, और वह कैसे चरितार्थ होता है, यह शिव और पार्वती ही जानते हैं। श्मशान का वैराग्य प्रेम के सुरम्य कानन में पहुँच कर वसंत का उत्सव बन गया। कैलास पर्वत की बर्फ पिघल कर नये जीवन में ढल गई। इसीलिये महाशिवरात्रि का दिन संसार के आरम्भ का दिन माना जाता है। शिव और पार्वती ने विवाह संस्था की नींव ही नहीं रखी, सुसमंजस दाम्पत्य और पराक्रमी संतान से समृद्ध होते परिवार का आदर्श भी हमारे सामने रखा। शिव और पार्वती के गोपनीय संवाद हमारे लिये खोल दिये गये, क्योंकि वे हमारी निजी बपौती की तरह हैं। उनमें वे रहस्य हैं, जो हमें नित्य नया वसंत देते हैं, नित्य नई प्राणवायु।

शिव और पार्वती एक हैं। इन्हें अलग कर देखना पाप माना गया। ठीक वैसे ही, जैसे माता-पिता को अलग कर देखना पाप है। महाकवि कालिदास ने रघुवंशम् की शुरुआत में कितनी अच्छी बात कही है कि जिस तरह शब्द और अर्थ एक-दूसरे से सम्पृक्त हैं, उसी तरह जगत के माता-पिता पार्वती और परमेश्वर भी एक-दूसरे से सम्पृक्त हैं। वे दोनों साथ-साथ नृत्य करते हैं, साथ-साथ हँसते हैं, साथ-साथ विचरते हैं। दोनों को हमेशा बतरस के आनंद में खोया हुआ ही देखा गया। इस संसार की भलाई के लिये हलाहल तक पी जाने वाले शिव को कभी दुःख मनाते हुए नहीं देखा गया, और न पार्वती को कभी विरह कातर होकर विलाप करते हुए देखा गया। शिव-पार्वती के दाम्पत्य में वियोग है ही नहीं, इसलिये तो नवदम्पति इस मंगल मिथुन पर न्यौछावर होती हैं।

शिव हास्य का सृजन करते हैं। वे पार्वती के साथ मिलकर हास्य की मौलिक अभिव्यंजना में पारंगत हैं। वे जब तक ध्यान की मुद्रा में हैं, तब तक उन्हें कोई छेड़ नहीं सकता, लेकिन जब वे संसार में प्रवेश कर दरिद्रनारायणों के बीच आ खड़े होते हैं, तब वे सब भूल कर संसार में रम जाते हैं। वे अपने ऊपर हँसते हैं। उनके गण भी एक से बढ़कर हँसोड़ और अजूबे। शिव की बारात के किस्से तो ऐसे हैं कि सुनकर हँस-हँस कर लोट-पोट हो जाएँ। शिव धतूरा खाते हैं, भाग पीते हैं। तन की सुध नहीं। क्या पहने हुए हैं, यह भी नहीं जानते। जिधर मन हुआ, चल देते हैं। उनके तांडव में प्रलय है या जीवन की मस्ती, यह बात शिव और पार्वती ही जानते हैं। पार्वती के लास्य के आगे कई बार तांडव फीका पड़ जाता है, और शिव स्वयं को पराजित कर लेते हैं। कई बार ऐसा भी होता कि लास्य और तांडव एकाकार हो जाते हैं। शिव निराले हैं, भोले हैं, और ऊपर से यह कि त्रिपुरसुंदरी राजराजेश्वरी पार्वती सब जगह उनके साथ है। लोक कलाओं में तो शिव और पार्वती को चौपड़ खेलते हुए भी दिखाया गया है।

शिव-पार्वती की विवाह-गाथा में कई रहस्य हैं, लेकिन यह रहस्य सबसे ऊपर कि आप जैसे भी हैं, अपने जीवन के सम्राट हैं। आपके अपने स्वामित्व को किसी से कोई खतरा नहीं। छोटी-छोटी और मूल्यहीन चीजें आपके स्पर्श से मूल्यवान हो जाएँ, तो समझो जीवन सफल हुआ। रोते रहने से किसी को कोई लाभ नहीं। विष पीकर भी खुल कर हँसिए। नीचे खड़े लोगों को आपके प्यार की जरूरत है, इसलिये आडम्बर छोड़कर नीचे उतरिए। सुखी और समृद्ध जीवन में घृणा के लिये जगह है ही नहीं। आपमें शिवत्व होगा, तो शक्ति भी संचित होगी ही।

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

शिव अंतर मन की शक्ति है
शिव पूजा है, शिव भक्ति है
शिव से सृष्टि में प्रकाश है
शिव पतझड़ में मधुमास है
शिव ही तो जीवन दर्शक है
शिव सबका पथ प्रदर्शक है
शिव ही जीवन का सार है
शिव से ही तो ये संसार है
शिव ही कष्ट निकन्दन है
शिव के चरणों में वंदन है।

– अनुभव मिश्रा

महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर 26 फरवरी को 'सुबह सवेरे' कार्यालय में अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 28 फरवरी 2025 को प्रकाशित होगा। 'सुबह सवेरे' के सभी पाठकों को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं।

इन्वेस्टर्स समिट में अमित शाह बोले

2027 तक भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएंगे

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि जिस तरह की कार्ययोजना सरकार ने बनाई है, इसमें से अधिकतर एमओयू जमीन पर उतरेंगे। शाह ने कहा- मोदी जी ने देश की 130 करोड़ जनता के सामने 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सीएम मोहन यादव ने भगवान महाकाल का प्रतीक भेंट किया।

2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य भी रखा है। मप्र की ये समिट दोनों लक्ष्यों को साकार करने में सहायक होगी। कोई एक सरकार देश का विकास नहीं कर सकती। टीम इंडिया में राज्य सरकार और भारत सरकार मिलकर काम करे।

शाह ने कहा कि समिट में लोकल और ग्लोबल इन्वेस्टमेंट के कई डायमेंशन अचीव किए गए हैं। देश में मध्य प्रदेश निवेश के लिए एक बड़ा आकर्षण केंद्र बना है। बिजली पानी सड़क को लेकर जो मध्य प्रदेश बीमारू राज्य माना जाता था, उसे बीजेपी की सरकार ने 20 साल में बदल कर रख दिया है। अब यहां विकास के बड़े काम हुए हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि अब तक सरकार के पास 30 लाख 77000 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव आ चुके हैं। समिट में 5000 से अधिक बी-टू-जी और 600 से अधिक वी2वी कार्यक्रम हुए हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री को आश्वस्त किया कि 1 साल के अंदर तीनों कानून पूरी तरह से लागू कर दिए जाएंगे।

मध्यप्रदेश में भरोसेमंद प्रशासन मिलेगा- शाह ने निवेशकों को भरोसा दिया है कि आपको मध्यप्रदेश में भरोसेमंद प्रशासन मिलेगा। इसलिए आइए और यहां निवेश कीजिए। कोई भी समूह या कंपनी जब अपने एक्सपेंशन के लिए स्थान तय करता है तो एक स्टेबल गवर्नमेंट वो ढूंढता है, जिससे नीतियों का स्थायित्व मिले। एक स्ट्रेटेजिक लोकेशन यहां हैं। बेहतरीन इंफ्रास्ट्रचर यहां बन चुका है। ईको सिस्टम भी प्रशासन ने उपलब्ध कराया। मार्केट का एक्सेस भी मप्र से ज्यादा किसी स्टेट को उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा पारदर्शी शासन ने लोगों को इन्वेस्टमेंट के लिए आकर्षित किया है।

2047 तक भारत को पूर्ण विकसित देश बनाने का लक्ष्य - केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, मोदी जी ने देश की 130 करोड़ जनता के सामने 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य भी रखा है। मप्र की ये समिट दोनों लक्ष्यों को साकार करने में सहायक होगी। कोई एक सरकार देश का विकास नहीं कर सकती। टीम इंडिया में राज्य सरकार और भारत सरकार मिलकर काम करे।

केंद्रीय शहरी विकास मंत्री खट्टर बोले-रियल एस्टेट सेक्टर के डेवलपमेंट में काम करेंगे

केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा- शहरों के विकास के लिए अर्बन मोबिलिटी का अच्छा होना और सस्ते मकान जरूरी हैं। रियल एस्टेट सेक्टर में डेवलपमेंट के लिए जो भी सुझाव मिलेंगे, केंद्र सरकार उन पर काम करेगी। 2047 तक देश की नगरीय आबादी कुल आबादी का 50 प्रतिशत तक हो जाएगी। ऐसे क्षेत्रों में बढ़ती आबादी के हिसाब से सारे मापदंड तय करने पड़ेंगे।

पंकज त्रिपाठी बोले-यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप करूंगा

समिट में आज फिल्म एक्टर पंकज त्रिपाठी भी पहुंचे। उन्होंने कहा- 2007 में एमपी पर्यटन विभाग ने एक डॉक्यूमेंट्री बनाई थी। इसमें दिखाया था कि एक महिला एमपी घूमने आती है। मैं गाइड बनकर उसे भीमबेटका, सांची, भोजपुर, ग्वालियर घुमाता हूं। उस वक्त मैंने एमपी की खूबसूरती देखी।

पीएम मोदी ने एडवांटेज असम 2.0 समिट का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के असम दौरे पर हैं। उन्होंने मंगलवार को गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 समिट का उद्घाटन किया। यह दो दिन की इंफ्रास्ट्रक्चर और इन्वेस्टमेंट समिट है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा- आज दुनिया का भरोसा भारत के 140 करोड़

जनता पर है। जो पॉलिटिकल स्टेबिलिटी और पॉलिटिकल कंट्यूनिटी को सपोर्ट कर रही है। पीएम ने कहा- आज भारत लोकल सप्लाई चैन को मजबूत कर रहा है। आज भारत दुनिया के अलग-अलग रीजन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट कर रहा है। ईस्ट एशिया के साथ हमारी कनेक्टिविटी और बेहतर हो रही है। बना रहा नया इंडिया मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर भी अनेक नई संभावना लेकर आ रहा है। भारत पर मजबूत होते ग्लोबल ट्रस्ट के बीच हम सभी असम में जुटे हैं। पीएम मोदी ने कहा- 2018 में असम की इकोनॉमी 2.75 लाख करोड़ की थी। अब बढ़ गई है।

असम सेमिकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभरेगा: मोदी

सेमीकंडक्टर को लेकर पीएम ने कहा कि असम सेमिकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक इमोर्टेंट हब बनकर उभरेगा। हाल ही में टाटा ने असम में सेमीकंडक्टर की असेंबलिंग शुरू की है, जो पूरे उत्तर पूर्वी राज्यों में टेक्नोलॉजी विकास को बढ़ावा देगा। पीएम मोदी बोले- नॉर्थ ईस्ट की भूमि नए भविष्य की शुरुआत करने जा रही है। एडवांटेज असम पूरी दुनिया को असम से जोड़ने का अभियान है। आज जब भारत विकसित होने के कगार पर बढ़ रहा है तो एक बार फिर हमारा यह नॉर्थ इस्ट अपना ये सामर्थ्य दिखाने जा रहा है। एडवांटेज असम को मैं इसी स्पिरिट के रूप में देख रहा हूं।

असम में 50-50 हजार करोड़ इन्वेस्ट करेंगे अडाणी-अंबानी

- एयरपोर्ट, रोड प्रोजेक्ट और सीमेंट सेक्टर में होगा बड़ा निवेश

गुवाहाटी (एजेंसी)। अडाणी और रिलायंस ग्रुप असम में 50-50 हजार करोड़ रुपए इन्वेस्ट करेंगे। गौतम अडाणी और मुकेश अंबानी ने गुवाहाटी में चल रहे एडवांटेज असम 2.0 समिट में इसकी घोषणा की है। अडाणी ग्रुप की कंपनियां एयरपोर्ट, ऐरो सिटी, रोड प्रोजेक्ट और सीमेंट सेक्टर में निवेश करेगी।

वहीं रिलायंस इंडस्ट्री अगले 5 सालों में टेक्नोलॉजी और डिजिटल सेक्टर में इस रकम को निवेश करेगी। समिट में मुकेश अंबानी ने कहा कि 2018 के इन्वेस्टर समिट में हमने 5,000 करोड़ रुपए निवेश करने की घोषणा की थी। ये इन्वेस्टमेंट 12,000 करोड़ रुपए पार कर गया है। अब हम अगले पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपए का निवेश करेंगे। मुकेश अंबानी ने कहा असम के युवा भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रयागराज नो व्हीकल जोन

नई ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

- महाशिवरात्रि पर महाकुंभ के लिए प्रशासन ने बनाया मास्टर प्लान

लखनऊ (एजेंसी)। दुनिया का सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ अब अपने समापन की ओर है। इस वजह से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ स्नान करने के लिए प्रयागराज पहुंच रही है। श्रद्धालुओं की स्थिति को देखते हुए मेला प्रशासन ने नई ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। 26 फरवरी यानी महाशिवरात्रि के बाद मेला समाप्त हो जाएगा। इस वजह से मंगलवार शाम 4 बजे के बाद मेला क्षेत्र पूरी तरह से नो व्हीकल जोन हो गया है और ये आदेश महाशिवरात्रि के पूरे दिन लागू होगा। हालांकि प्रशासन ने आवश्यक वस्तुओं के लिए वाहनों को रियायत दी जाएगी। शिवरात्रि पर स्नान करने के लिए प्रयागराज प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं को नजदीकी घाट पर ही जाने की अपील की है। मेला प्रशासन की ओर से कहा गया है कि नजदीकी स्नान घाटों पर ही डुबकी लगाएं। इसके लिए बताया गया है कि दक्षिण झूंसी से आने वाले श्रद्धालु ऐरावत घाट पर स्नान करें। वहीं उत्तरी झूंसी से आने वाले श्रद्धालु हरिश्चंद्र घाट और संगम ओल्ड जीटी घाट पर स्नान करें। वहीं परेड ग्राउंड आने वाले श्रद्धालु संगम द्वार पर स्थित भारद्वाज घाट, नागवासुकी घाट, मोरीघाट, कालीघाट, रामघाट, हनुमान घाट पर स्नान करें।

महाशिवरात्रि आज 'शिवमय' रहेगा सारा देश

हर ओर हर-हर महादेव की धूम, निकलेगी शिव बारात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल बुधवार, 26 फरवरी को देश भर में महाशिवरात्रि की धूम रहेगी। भक्त भोले बाबा की भक्ति में लीन रहेंगे। मंदिरों और शिवालयों में भारी भीड़ रहेगी। हर ओर हर-हर महादेव के जयकारे सुनाई देंगे। शिवरात्रि के दिन शिव जी के साथ देवी पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय स्वामी का विशेष अभिषेक किया जाता है। माना जाता है कि इस पर्व पर की गई शिव पूजा से भक्त के जीवन में सुख-शांति आती है, नकारात्मकता दूर होती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। जिन लोगों की कुंडली में ग्रहों से संबंधित दोष हैं, उन्हें महाशिवरात्रि पर राशि अनुसार पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से कुंडली के ग्रह दोषों का असर कम हो सकता है। इस दिन शिव पूजा के साथ ही शिव जी कथाएं पढ़ने-सुनने की परंपरा भी है। पूजा करने के साथ ही शिव जी की सीख को भी जीवन में उतार लेंगे तो जीवन की सभी समस्याएं खत्म हो सकती हैं। भगवान विष्णु की तरह ही शिव जी ने कई अवतार लिए हैं। भगवान ने द्वापर युग में एक अवतार अर्जुन का घमंड तोड़ने के लिए लिया था। शिवपुराण के मुताबिक भगवान शिव लिंग रूप के रूप में विष्णु-ब्रह्मा के सामने प्रकट हुए थे। उस दिन फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि थी और रात का समय था।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22 °c
न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार,26 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

प्रवासी भारतीयों को मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में सहभागिता के लिए किया आमंत्रित

मध्यप्रदेश, देश के सबसे तेज़ी से विकसित होने वाले राज्यों में है शामिल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के प्रवासी भारतीयों का स्वागत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश तेज गति से आगे बढ़ता हुआ राज्य है। विकास के सभी क्षेत्रों में निवेश की नई संभावनाएँ उभरकर सामने आई हैं। प्रदेश के प्रत्येक भू-भाग में विकास और निवेश संभावनाओं को तलाशने के लिये रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया। भोपाल में हो रही जीआईएस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, का 8वाँ संस्करण है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विकास के विभिन्न क्षेत्रों में नई संभावनाओं से प्रवासी भारतीय परिचित हो रहे हैं। प्रदेश में सभी क्षेत्रों - आईटी, फार्मा, बॉयोटेक समेत विभिन्न सेक्टर्स में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए 18 नई नीतियाँ लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि अब सेक्टर-वाइज समिट का आयोजन किया जाएगा। इसकी शुरुआत कृषि क्षेत्र से होगी। निवेशकों के लिए सरलीकृत प्रक्रिया और उद्योग-अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के प्रवासी भारतीयों और निवेशकों का स्वागत करते हुए कहा कि सभी क्षेत्र निवेश के लिए खुले हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रवासी भारतीयों के प्रति अपने गहरे जुड़ाव को व्यक्त करते हुए कहा कि जब लंदन में मध्यप्रदेश के निवासी मेयर बनते हैं, तो यहाँ भी खुशी से आतिशबाजी की जाती हैं। जब जिम्बाब्वे में मध्यप्रदेश का रहने वाले या

यहां की जड़ों से जुड़ा हुआ व्यक्ति मुख्यमंत्री के पद को सुशोभित करते हैं, तो यहाँ भी खुशियाँ मनाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि यह आंतरिक लगाव और मध्यप्रदेश की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है, जो दुनिया के किसी भी कोने में अपने लोगों की सफलता पर गर्व महसूस करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 'प्रवासी मध्यप्रदेश समिट' में मध्यप्रदेश के प्रवासी नागरिकों, फ्रेंड्स ऑफ़ एमपी, इंडिया कनेक्ट के सदस्यों का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में रोजगार के नये अवसरों के सृजन में प्रदेश के प्रवासी भारतीयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने प्रवासी भारतीयों से अपील करते हुए कहा कि वे मध्यप्रदेश में निवेश कर यहाँ के विकास में भागीदार बनें। उन्होंने आश्वस्त किया कि मध्यप्रदेश सरकार निवेशकों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगी और प्रदेश को एक वैश्विक निवेश गंतव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बाबा महाकाल की भस्म आरती जीवन को सार्थक करने का सिखाती है सिद्धांत- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल की भस्म आरती का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि बाबा महाकाल की भस्म आरती में पंचामृत से शरीर को निर्मल किया जाता है इसके बाद विधिवत पूजा कर अंत में भस्म से शरीर को ढंका जाता है। भस्म आरती जीवन को सार्थक करने का लघु सिद्धांत भी सिखाती है। उन्होंने महाकाल की भस्म आरती का महत्व समझाते हुए कहा कि भस्म आरती जन्म से मृत्यु तक के दर्शन का लघु रूप है। यह हर क्षण स्मरण कराती है कि जीवन में सर्वश्रेष्ठ कार्य करते जायें और समय पर हर कार्य पूरा करें। उन्होंने कहा कि उज्जैन आध्यात्मिक नगरी के साथ ही समय (काल) की नगरी भी है। उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए कहा कि यह आध्यात्मिक कुंभ है और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट सांसारिक और आर्थिक महाकुंभ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाकाल भस्म आरती के दुर्लभ दर्शन की वीआर (वर्चुअल रियलिटी) हेडसेट सेवा भी लॉन्च की। (वीआर) वीथि संकुल में उपलब्ध रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समय के सदुपयोग और कर्म पर बल देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने भी गीता में यही उपदेश दिया है कि सभी को अपने कर्मों के माध्यम से समाज के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए।

पंजाब विधानसभा में केंद्र की पॉलिसी के खिलाफ प्रस्ताव

कहा-इससे 3 रद्द कृषि कानून वापस लाने की कोशिश

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा के दो दिवसीय सत्र के आखिरी दिन कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने राष्ट्रीय कृषि मार्केटिंग नीति के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया। इसमें उन्होंने कहा कि इस नीति के साथ राज्य की शक्तियों पर केंद्र काबिज होने की कोशिश कर रहा है। इसमें कहीं भी एमएसपी का जिक्र नहीं किया गया। किसान भी इसके विरोध में हैं। वहीं, स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा

कि किसान इस नीति के खिलाफ हैं। किसानों का मानना है कि राज्यों की मंडियों पर इसका नेगेटिव असर होगा।

लैंड फॉर जॉब केस में लालू परिवार को कोर्ट का समन

लालू यादव, बेटा तेजप्रताप और बेटी हेमा को पेशी पर बुलाया

पटना (एजेंसी)। लैंड फॉर जॉब मामले में मंगलवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से लालू परिवार को झटका लगा है। इस मामले में सीबीआई की ओर से दाखिल फाइनल चार्जशीट पर कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए लालू यादव और उनके बेटा-बेटी समेत सभी आरोपियों को समन भेजा है। कोर्ट ने लालू,

उनके बड़े बेटे तेजप्रताप और बेटी हेमा यादव को 11 मार्च को पेश होने का आदेश दिया गया है। इससे पहले कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस केस में लालू यादव सहित 78 अन्य के खिलाफ चार्जशीट दायर की है।

हाथ में अब हथियार नहीं...

हथकड़ी में रील्स बना रहे हैं बिहार के युवा

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक नया ट्रेंड तेजी से वायरल हो रहा है। हथियारों के साथ रील्स बनाने का जमाना गया, अब यहां के युवा हथकड़ी पहनकर रील्स बना रहे हैं। ये रील्स पुलिस हिरासत में बनाई जा रही हैं और सोशल मीडिया पर शेयर की जा

रही हैं। इस ट्रेंड को लेकर युवाओं का कहना है कि यह सिर्फ मनोरंजन के लिए है। लेकिन पुलिस और कानून के जानकार इसे गंभीरता से ले रहे हैं। दरअसल, पहले युवा हथियारों के साथ रील्स बनाकर अपनी दबंगई दिखाते थे। अब वे पुलिस की गिरफ्त में होने का नाटक करके रील्स बना रहे हैं। इससे एक नया तरह का अपराध भी सामने आ रहा है। यह ट्रेंड सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं बचा है।

शशि थरूर ने कांग्रेस को एक बार फिर चिढ़ाया

पीयूष गोयल के साथ शेयर की फोटो, लिखा-मिलकर अच्छा लगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ की फोटो एक्स पर शेयर की। तस्वीर में उनके साथ ब्रिटेन के ट्रेड सेक्रेटरी जोनाथन रेनॉल्ड्स भी नजर आ रहे हैं। शशि की ये पोस्ट तब सामने आई है, जब उनके और कांग्रेस पार्टी के रिश्तों में खटास की खबरें हैं। थरूर ने फोटो कैप्शन में लिखा– ब्रिटेन के बिजनेस और ट्रेड स्टेट सेक्रेटरी जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ उनके भारतीय समकक्ष वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में बातचीत करके अच्छा लगा। लंबे समय से रुकी हुई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) वार्ता फिर से शुरू हो गई है, जो बहुत स्वागत योग्य है। दरअसल, 23 फरवरी को ही शशि ने कहा था– मैं कांग्रेस में हूं, लेकिन अगर पार्टी को मेरी जरूरत नहीं है तो मेरे पास भी विकल्प मौजूद है। हालांकि थरूर ने पार्टी बदलने की अफवाहों का खंडन करते हुए कहा था कि भले ही विचारों

में अंतर हो, लेकिन वह ऐसा नहीं मानते। इस बारे में जब उनसे पूछा गया तो शशि थरूर ने कहा था कि पार्टी हितों से ऊपर उठकर देश हित की बात भी कभी की जा सकती है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। अब शशि थरूर ने जो सेल्फी शेयर की है, उसमें उनके साथ पीयूष गोयल और ब्रिटेन के वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स साथ दिख रहे हैं।

सरकारी स्कूल के हॉस्टल में छात्रा ने दिया बच्चे को जन्म

- ओडिशा में मचा हड़कंप,मामले की जांच के दे दिए आदेश

मलकानगिरी (एजेंसी)। ओडिशा के मलकानगिरी जिले में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जिले के एक सरकारी आवासीय स्कूल के हॉस्टल में 10वीं कक्षा की एक छात्रा ने एक बच्चे को जन्म दिया है। बच्चे को जन्म देने के बाद मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को बोर्ड परीक्षा देने के बाद हॉस्टल लौटने पर छात्रा ने एक बच्ची को जन्म दिया। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास और

अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की ओर से संचालित स्कूल के प्रधानाध्यापक ने कहा कि कन्या छात्रावास में पुरुषों का प्रवेश वर्जित है। हमें नहीं पता कि छात्रा कैसे गर्भवती हुई। प्रधानाध्यापक के अनुसार, स्वास्थ्य कर्मियों को हॉस्टल में रहने वाली सभी छात्राओं की साप्ताहिक जांच करनी होती है। इस घटना से पता चलता है कि स्वास्थ्य कर्मी अपना काम ठीक से नहीं कर रही थीं।

आएगी नई स्कीम, हर नागरिक को मिलेगा लाभ

पेंशन की टेंशन खत्म, सरकार का बड़ा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार पेंशन स्कीम को लेकर जल्द बड़ी घोषणा कर सकती है। खबरों के मुताबिक, मोदी सरकार एक नई यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लाने पर काम कर रही है। इस पेंशन स्कीम के साथ उन लोगों को भी वित्तीय सुरक्षा मिल सकती है जो नौकरी नहीं करते हैं और दूसरे कामकाज के जरिए अपनी रोजी-रोटी कमा रहे हैं। जी हां, ट्रेडिशनल जॉब-बेस्ड पेंशन प्लान के अलावा जल्द एक नया पेंशन सिस्टम लॉन्च किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रम मंत्रालय ने एक वॉलंटरी और अंशदायी योजना पर चर्चा शुरू कर दी है, जो

सभी व्यक्तियों को उनकी रोजगार स्थिति की परवाह किए बिना, उनके रिटायरमेंट में निवेश करने की अनुमति देगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक बार रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद, सरकार विवरण को बेहतर बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों के साथ परामर्श करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसी योजना शुरू करने की वजह, मौजूदा पेंशन योजनाओं को एक प्लेटफॉर्म पर लाना है।

दिल्ली विधानसभा से एएपी के 21 विधायक सस्पेंड

- कैग रिपोर्ट पर हंगामा कर रहे थे स्पीकर गुप्ता का ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में शराब नीति पर कैग रिपोर्ट पेश की गई। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने रिपोर्ट सदन में रखी। एलजी वीके सक्सेना ने कहा कि पिछली सरकार ने इस रिपोर्ट को रोककर रखा था। इसे सदन में नहीं रखा। उन्होंने संविधान का खुलेआम उल्लंघन किया। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि नई शराब नीति से दिल्ली सरकार को 2002 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। पॉलिसी कमजोर थी और लाइसेंस प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई। पैनल ने कुछ बदलाव के सुझाव दिए थे, जिन्हें सिसोदिया ने नजरअंदाज कर दिया।

संघ के मजदूर संगठन ने एआई पर जताई चिंता

बोला-नौकरियों पर है खतरा और बढ़ेगी गैरबराबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल से नौकरियों पर मंडराते खतरे को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मजदूर संगठन भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने केंद्र सरकार को सतर्क किया है। संगठन का कहना है कि अगर एआई को बिना किसी स्पष्ट नीति के अपनाया गया तो लाखों मजदूरों की नौकरी पर खतरा बढ़ सकता है।

बीएमएस ने सरकार से अपील की है कि वह मजदूरों के लिए ट्रेनिंग और कौशल विकास की व्यवस्था करे, ताकि एआई के कारण होने वाली छंटनियों को रोका जा सके। बीएमएस ने कहा कि भारत की सप्लाई चेन इंडस्ट्री तेजी से एआई आधारित बदलावों से गुजर रही है लेकिन इसमें इंसान और एआई के

सहयोग पर चर्चा नहीं हो रही। संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बृजेश उपाध्याय ने खासतौर पर असंगठित क्षेत्र के मजदूरों, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और लास्ट-माइल डिलीवरी से जुड़े कामगारों का जिक्र किया। उनका कहना है कि एआई को प्रतिभा की कमी दूर करने का जरिया बताया जा रहा है, लेकिन यह चर्चा नहीं हो रही कि असंगठित कामगारों को इस बदलाव में कैसे शामिल किया जाएगा। उपाध्याय ने कहा,हम इस बात से गहरी चिंता में हैं कि एआई आधारित रणनीतियां सिर्फ ट्रेनिंग और औपचारिक रूप से कुशल कर्मचारियों पर केंद्रित हैं, जबकि असंगठित क्षेत्र के लाखों मजदूर इससे पूरी तरह कटे हुए हैं।

सिख दंगा मामले में सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा

राउज एवेन्यू कोर्ट का फैसला, सिख पिता-पुत्र की हत्या के हैं दोषी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1984 के सिख दंगा मामले में कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को उम्र कैद की सजा सुनाई गई है। 1984 सिख दंगा मामले में पिछली सुनवाई में राउज एवेन्यू कोर्ट ने अपना फैसला आज तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। सरस्वती विहार में 2 सिखों की हत्या के मामले में सज्जन को ये सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई है। हालांकि, याचिकाकर्ता की तरफ से सज्जन को फांसी की मांग की गई थी। मामला 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान राज नगर इलाके में एक बाप-बेटे की हत्या का है, जिसमें कुमार दोषी करार दिए गए थे।

हम मुल्ला-मौलवी नहीं, वैज्ञानिक बनाते हैं

- सीएम योगी बोले-यूपी में 30 हजार पुलिस की भर्ती होगी
- योगी बोले- मक्का में सालभर में 1.40 करोड़ लोग पहुंचे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने मंगलवार को विधान परिषद में कहा- हमारी सरकार बच्चों की पढ़ाई को लेकर गंभीर है। हम मुल्ला-मौलवी नहीं, वैज्ञानिक बनाते हैं। विपक्ष ने गंगा जल पर सवाल उठाया। वैज्ञानिकों ने साबित किया कि गंगा का पानी एल्कलाइन वॉटर से भी शुद्ध है। योगी ने सऊदी अरब के मक्का से लेकर वेटिकन सिटी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की तुलना प्रयागराज, काशी और अयोध्या से की। कहा- वेटिकन सिटी में पूरे साल में 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं। प्रयागराज में तो एक दिन में ही इतने लोग पहुंच गए। काशी में भी यही स्थिति देखने को मिली। 2024 में मक्का में 1.40 करोड़ लोग पहुंचे। जबकि अयोध्या में 16 करोड़ लोग पहुंचे। काशी में 14 करोड़ पहुंचे। मथुरा-वृंदावन में 8 करोड़ पहुंचे। 2025 तो सारे आंकड़ों को ध्वस्त करने जा रहा है। 52 दिनों में ही अयोध्या में 2 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए। योगी ने कहा- यूपी में 1565 विद्यालयों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। प्राइमरी से लेकर 12वीं तक मुख्यमंत्री विद्यालय खोलने जा रहे हैं।

- **भाजपा से लड़ते-लड़ते भारत से लड़ने लगे-** सपा और कांग्रेस का आचरण भारत को बदनाम करने का था। आपकी लड़ाई बीजेपी से हो सकती है लेकिन भाजपा से लड़ते-लड़ते भारत से लड़ने लगते हैं। आपका स्वार्थ आया तो संविधान की प्रति लेकर घूम रहे हैं। कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम बदल दिया। लखनऊ के भाषा विवि का नाम कांशीराम के नाम पर था। उसे भी बदल दिया। ऐसे ही सहारनपुर मेडिकल कॉलेज के नाम भी बदल दिए। प्रयागराज में अक्षयवट कॉरिडोर बनाया गया, तो कहते हैं कि वो किला अकबर का है।

- **गंगा का जल एल्कलाइन वॉटर से भी शुद्ध-** गंगा जल के अस्तित्व पर सवाल खड़े कर रहे थे। इसका जवाब वैज्ञानिकों ने दिए। अजय सोनकर ने साबित किया कि गंगा जल एल्कलाइन से भी स्वच्छ है। गंगा जल में खुद को साफ रखने की ताकत है। महाकुंभ को बदनाम करने का कोई प्रयास नहीं छोड़ा। प्रचार कर रहे थे कि कितने लोग मर गए। सपा ने कहा कि जिसका पोस्टमॉर्टम हुआ, क्या वो भी जिंदा हो गए। प्रयागराज मेडिकल कॉलेज में कोई भी पता करा सकता है। दरअसल, गिद्धों को सिर्फ लाश ही नजर आई। सभी ने अपने स्वभाव व चरित्र के अनुसार देखा। सनातन की सुंदरता समाजवादियों और वामपंथियों को नजर नहीं आई। कैग की रिपोर्ट आपकी सरकार के बारे में कहती थी कि 7 लाख छात्रों की संख्या कम हुई थी। बच्चों को किताबें नहीं मिल पाई थीं। एक ही ड्रेस बांटी गई। भगवान जाने एक ड्रेस का पैसा कहां हजम कर गए। पेयजल, शौचालय नहीं था।

इंदौर में 150 प्रोफेसर्स को छात्रों ने बंधक बनाया

होलकर साइंस कॉलेज में होली मिलन के पोस्टर हटाने पर हॉल में बंद किया

इंदौर (नप्र)। इंदौर के होलकर साइंस कॉलेज में सोमवार को छात्र नेताओं ने प्रिंसिपल समेत 150 से ज्यादा प्रोफेसर्स को 30 मिनट तक बंधक बनाए रखा। सभी को हॉल में बंद कर बाहर गेट पर लकड़ी फंसा दी ताकि कोई बाहर न आ सके।मेन स्विच ऑफ कर बिजली भी बंद कर दी। दरअसल, छात्र नेताओं ने कॉलेज कैम्पस में निजी कोचिंग से स्पॉन्सर्ड होली मिलन समारोह के पोस्टर लगाए थे। प्रिंसिपल डॉ. अनामिका जैन ने इन पोस्टर्स को हटवा दिया था। इसके बाद छात्र नेताओं ने प्रोफेसर्स को यशवंत हॉल में बंद कर दिया और बाहर नारेबाजी करने लगे। एक कर्मचारी ने हॉल की खिड़की से बमुश्किल बाहर निकलकर गेट खोला। इसके बाद प्रिंसिपल डॉ. अनामिका जैन ने कलेक्टर से मुलाकात कर घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा कारणों से आयोजन की मंजूरी नहीं दी थी। बिना अनुमति लगे पोस्टर हटाए थे। किसी शर्मा कोचिंग को स्पॉन्सर बनाया गया था।

प्रिंसिपल रूम में बहस और बदतमीजी की- प्रिंसिपल डॉ. अनामिका जैन ने बताया, कुछ दिन पहले कुछ छात्र नेता और एबीवीपी से जुड़े कार्यकर्ताओं ने मैदान में 7 मार्च को होली सेलिब्रेशन की अनुमति मांगी थी। वे होली का सेलिब्रेशन बड़े स्तर पर करना चाहते थे। उन्हें समझाया था कि इस तरह का बड़ा आयोजन कॉलेज परिसर में करना उचित नहीं है, क्योंकि इससे माहौल बिगड़ सकता है। सोमवार को पूरे परिसर में शर्मा कोचिंग के सहयोग से आयोजन के पोस्टर लगा दिए गए, रेन डांस, एंट्री फीस और आयोजन की तारीख लिखी थी। कॉलेज प्रशासन ने इन्हें हटवाया तो छात्र नेताओं ने हंगामा शुरू कर दिया। यशवंत हॉल में मेंटर्स के लिए मीटिंग रखी गई थी। छात्रों ने पहले वहां नारेबाजी की, फिर बाहर से दरवाजे बंद कर दिए। इसके बाद वहीं के बैनर निकालकर उनके डंडों से गेट को जाम कर दिया और बिजली काट दी। यह अत्यंत अशोभनीय और अभद्र व्यवहार था। हम आधे घंटे तक अंधेरे में बैठे रहे। स्टूडेंट्स प्रिंसिपल रूम में भी आकर बहस और बदतमीजी करने लगे। घटना की लिखित शिकायत भंवरकुआं थाने में की गई है। कलेक्टर से मुलाकात कर उन्हें बताया कि 7 मार्च को स्टूडेंट्स इस आयोजन को करने पर अड़े हैं। यदि वे नहीं माने तो पुलिस और प्रशासन की जरूरत पड़ेगी। छात्रों नोटिस जारी किया जा रहा है और उनके परिजनों को भी इसकी जानकारी दी जाएगी।

प्रोफेसर बोले- अब दिन में सिक्योरिटी लगानी पड़ेगी

कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी और हेड ऑफ डिपार्टमेंट (फिजिक्स), डॉ. नागेश डगांवकर ने बताया, हमारी आगामी सत्र को लेकर मीटिंग चल रही थी। मैं प्रजेंटेशन दे रहा था, तभी बाहर से छात्रों की नारेबाजी की आवाज आने लगी। हमने मीटिंग जारी रखी। तभी अचानक लाइट चली गई। हमें लगा कि पावर कट हो सकता है। बाद में पता चला कि छात्रों ने जानबूझकर लाइट बंद कर दी थी। हमने अपनी मीटिंग मोबाइल की लाइट में जारी रखी। मीटिंग खत्म होने के बाद गेट की तरफ जाने लगा, तो पता चला कि दोनों तरफ के गेट बंद कर दिए गए हैं। इससे कुछ फैकल्टी मेंबर्स को घबराहट होने लगी। हमने उन्हें समझाने की कोशिश की। खिड़की से कुछ छात्रों से अनुरोध भी किया कि गेट खोल दें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। हमारे एक साथी साइड की खिड़की से बाहर निकले और गेट खोला, तब जाकर हम बाहर आ सके।

इंदौर से चलने वाली ट्रेनें अब सीहोर में भी रुकेंगी

रेलवे ने 11 जोड़ी ट्रेनों का किया अस्थाई ठहराव, 2 ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेंगी

इंदौर (नप्र)। महाशिवरात्रि मेला के दौरान सीहोर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए वहां से गुजरने वाली 11 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों का 2 मिनट का अस्थाई ठहराव दिया जाएगा। यह ठहराव 25 फरवरी यानी आज से 03 मार्च तक दिया जाएगा। इधर, उत्तर पूर्व रेलवे लखनऊ मंडल के लखनऊ रेलवे स्टेशन पर कॉनकोर्स निर्माण कार्य हेतु प्रस्तावित ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के इंदौर से चलने वाली दो ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेगी। इंदौर से चलने वाली गाड़ी संख्या 19313 इंदौर पटना एक्सप्रेस 26 फरवरी से 23 अप्रैल तक परिवर्तित मार्ग वाया मानक नगर-ऐशबाग-मल्हौर-अयोध्या कैंट-जफराबाद चलेगी।

इस दौरान यह ट्रेन लखनऊ, निहालगढ़, सुल्तानपुर एवं शिवपुर स्टेशन नहीं जाएगी। इस ट्रेन का ऐशबाग, अयोध्या कैंट एवं जौनपुर स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। वहीं, इंदौर से चलने वाली गाड़ी संख्या 19321 इंदौर पटना एक्सप्रेस 01 मार्च से 19 अप्रैल तक परिवर्तित मार्ग वाया मानक नगर-ऐशबाग-मल्हौर चलेगी। इस दौरान यह ट्रेन लखनऊ स्टेशन नहीं जाएगी तथा ऐशबाग स्टेशन पर ठहराव दिया गया है।

सीहोर में रूकने वाली 11 ट्रेनें 2 मिनट के लिए रुकेगी

ट्रेन नंबर	ट्रेन नाम
12923/12924	डॉ. अम्बेडकर नगर नागपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस
19301/19302	डॉ. अम्बेडकर नगर यशवंतपुर एक्सप्रेस
22911/22912	इंदौर हावड़ा क्षिप्रा एक्सप्रेस
20414/20413	इंदौर वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस
20416/20415	इंदौर वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस
14115/14116	डॉ. अम्बेडकर नगर प्रयागराज एक्सप्रेस
19313/19314	इंदौर पटना एक्सप्रेस
19321/19322	इंदौर पटना एक्सप्रेस
19305/19306	डॉ. अम्बेडकर नगर कामाख्या एक्सप्रेस
22645/22646	इंदौर तिरूवनंतपुरम नॉर्थ एक्सप्रेस

क्राइम ब्रांच ने पकड़ा ई-सिगरेट और हुक्के का जखीरा

ग्राहकों को बेचने गोदाम में छिपाकर रखा था ; ऑर्डर पर खुद देता था डिलीवरी

इंदौर (नप्र)। इंदौर क्राइम ब्रांच ने प्रतिबंधित ई-सिगरेट का जखीरा पकड़ा है। आरोपी ने उसे बेचने के लिए गोदाम में छिपा रखा था। क्राइम ब्रांच ने गोदाम में दबिश देकर कार्रवाई करते हुए रानीपुरा मार्केट से उमेश नानक शाही निवासी अन्नपूर्णा रोड को पकड़ा है। आरोपी ने नई बागड़ के पास एक बिल्डिंग में ई सिगरेट छिपाकर रखी थी। क्राइम ब्रांच ने वहां दबिश दी तो बिल्डिंग में ई-सिगरेट और हुक्का फ्लेवर मिला। जिसमें करीब 500 पैकेट के लगभग ई-सिगरेट और 1 हजार के ऊपर हुक्का फ्लेवर बरामद हुए है। आरोपी से करीब 10 लाख रुपए की कीमत का माल जब्त किया गया है।

शहरभर की दुकानों में करता था सप्लाई- क्राइम ब्रांच के अफसरों के मुताबिक आरोपी शहर की पान और अन्य पार्लरों पर इसे सप्लाई करने का काम करता था। आरोपी थोक का काम करता है। वह इसे प्रदेश के बाहर से बुलवाता था। और माल की डिलीवरी ऑर्डर पर खुद करता था। पुलिस ने इस मामले में आरोपी पर प्रतिबंधात्मक नशा बेचने को लेकर कार्रवाई की है।

इंदौर में शराब पीकर गर्लफ्रेंड से मारपीट

विवाद के बाद निजी तस्वीरें सोशल मीडिया पर की अपलोड ; आरोपी पर केस दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर के विजयनगर इलाके में एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड से विवाद के बाद उसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच जारी है। विजयनगर पुलिस के मुताबिक, 21 वर्षीय युवती ने शिकायत दर्ज कराई कि आरोपी रितेश वर्मा (निवासी पितृ पर्वत) ने उसे धमकाया और उसकी निजी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कर दीं। युवती के अनुसार, मार्च 2024 में एक निजी कंपनी में काम के दौरान उसकी पहचान रितेश से हुई थी। पहले दोनों में सामान्य बातचीत होती थी, जो बाद में दोस्ती और फिर करीबी रिश्ते में बदल गई। युवती मेदांता अस्पताल के पास एक किराए के मकान में रहती थी, जहां रितेश उससे मिलने आता था। लेकिन शराब के नशे में वह अक्सर मारपीट करने लगा, जिससे परेशान होकर युवती ने बातचीत बंद कर दी। इसके बाद रितेश ने उसे धमकी दी कि अगर उसने बात नहीं की या मिलने से इनकार किया, तो वह उसकी निजी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। बाद में रितेश ने इंस्टाग्राम पर पीड़िता की तस्वीरें और वीडियो अपलोड कर दिए। जब युवती ने उसे यह सामग्री हटाने के लिए कहा, तो उसने धमकी दी कि अगर उसने किसी को बताया, तो वह उसकी हत्या कर लाश गायब कर देगा। युवती के परिवार को भी इस बारे में जानकारी नहीं थी।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

छात्रा का फर्जी अकाउंट बनाकर अश्लील रील अपलोड

इंदौर। विजयनगर थाना क्षेत्र में 12वीं कक्षा की एक छात्रा के नाम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर अश्लील रील अपलोड करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।छात्रा ने पुलिस को बताया कि 25 जनवरी को जब वह इंस्टाग्राम चला रही थी, तब अचानक एक रील उसकी टाइमलाइन पर आई, जिसमें उसका वीडियो दिखाया गया था। इस रील पर कई अश्लील कमेंट्स भी किए गए थे। जांच में सामने आया कि यह वीडियो एक फर्जी आईडी से अपलोड किया गया था, जो उसके नाम पर बनाई गई थी।

चोरों के साथी से आधा दर्जन वाहन बरामद

इंदौर(नप्र)। इंदौर की एरोड्रम पुलिस ने बुलेट चुराने वाले एक बदमाश को पकड़ा है। आरोपी पूर्व में अपने साथियों के साथ चोरी कर चुका है। एरोड्रम पुलिस ने कुछ दिन पहले चोर पकड़े तो उन्होंने बुलेट चोर के फुटेज आरोपी को बताए। उन्होंने अपने साथी की पहचान कर ली। आरोपी से अभी आधा दर्जन बुलेट बरामद हुई है। डीसीपी विनोद मीणा की टीम ने सतीश और उसके साथियों से 6 बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की है। बताया जाता है कि सतीश पूर्व में भी चोरी की वारदातें कर चुका है। उस पर पहले से कई अपराध दर्ज हैं।

मोबाइल नहीं दिलाया तो छात्र ने किया सुसाइड

इंदौर में मां ने कहा था मंगलसूत्र गिरवी रख दिला देगी, जिद में छात्र ने जहर पी लिया

इंदौर (नप्र)। इंदौर में मोबाइल की जिद में 16 साल के लड़के ने जहर पीकर सुसाइड कर लिया। मां ने उसे पिता की सैलरी आने पर नया मोबाइल दिलाने की बात कही थी। लेकिन वह जिद करने लगा। इस पर मां ने कहा कि वह मंगलसूत्र गिरवी रखकर दिला देगी, लेकिन वह नहीं माना और जहर पी लिया। घटना रविवार की है। सोमवार को अस्पताल में इलाज के दौरान नाबालिग ने दम तोड़ दिया। मामला आज सामने आया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि छात्र को ऑनलाइन गेम खेलने की लत थी। इंदौर के आदर्श इंदिरा नगर के रहने वाले 9वीं के छात्र प्रिंस ने सुसाइड किया है। छत्रीपुरा पुलिस के मुताबिक जहर पीने के बाद प्रिंस को एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां सोमवार को तबीयत बिगड़ने पर उसे वेंटिलेटर पर रखा गया। इसके कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। परिवार ने बताया कि अस्पताल में प्रिंस

बातचीत कर रहा था। तब उसने कहा था कि डराने के लिए जहर ऐसा किया।

ट्रेन में चोरी हो गया था प्रिंस का मोबाइल

परिवार के लोगों ने बताया कि प्रिंस अपने माता-पिता के साथ बिहार के नारायणपुर गांव गया था। यहां से 25 जनवरी को वापस आ रहा था। इसी दौरान पटना के पास ट्रेन में उसका मोबाइल चोरी हो गया। प्रिंस मोबाइल पर फ्री फायर गेम खेलता था। वह अपनी मां सुधा से नया मोबाइल दिलाने का कहता रहता था। मां ने पिता की सैलरी आने पर दिलाने की बात कही थी। रविवार को प्रिंस मोबाइल के लिए मां से जिद करने लगा। उसका कहना था कि अगर मोबाइल नहीं मिलेगा तो वह अपनी जान दे देगा। मां ने समझाया कि रात हो गई है, सोमवार को मंगलसूत्र गिरवी रखकर नया मोबाइल दिला देगी। लेकिन प्रिंस का कहना था कि सुबह वह स्कूल जाएगा। उसे अभी मोबाइल चाहिए। मां ने उसे कहा कि खाना खाने के बाद मोबाइल लेने चलेंगे, लेकिन प्रिंस गुस्से में वहां से चला गया। इसके बाद नजदीक की किराना दुकान पर जाकर उसने जहरीली दवा की पुड़िया ली और पानी में घोलकर पी गया। प्रिंस के परिवार में दो भाई और बहन है। वहीं पिता एक स्वीट्स की शॉप पर काम करते हैं।

अवैध निर्माण पर चली निगम की जेसीबी

दो प्लाट को मिलाकर एक बनाया, कार्रवाई के पहले हटाना पड़ा सामान

इंदौर (नप्र)। तुलसी नगर मेन रोड पर मंगलवार को नगर निगम की टीम दलबल के साथ पहुंची। यहां पर दो प्लाट को मिलाकर एक निर्माण किया गया। शिकायत मिलने के बाद नगर निगम की टीम ने यहां कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को धराशायी कर दिया। दरअसल, ये कार्रवाई जोन 8 के वार्ड 37 में की गई। मंगलवार को टीम पूरे अमले के साथ यहां पहुंची और कार्रवाई को अंजाम दिया। यहां पर राधिका पैलेस नाम से बिल्डिंग थी, जिस पर ये कार्रवाई हुई है। बताया जा रहा है कि यहां पर एक बैंक और जिम भी संचालित हो रहा था। निगम

की टीम के मुताबिक जब टीम कार्रवाई करने पहुंची तब बैंक तो खाली मिला, जबकि जिम में सामान रखा हुआ था। कार्रवाई के पहले निगम की टीम ने जिम के सामान को एक तरफ किया। इसके बाद कार्रवाई शुरू हुई।

फ्रंट पूरा कवर कर रखा था- अपर आयुक्त लता अग्रवाल ने बताया कि नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देश पर तुलसी नगर मेन रोड पर ये कार्रवाई हुई है।

दिन के तापमान में 1 डिग्री की गिरावट

रात के तापमान में 2 डिग्री का उछाल, शिवरात्रि पर भी ऐसा ही रहेगा मौसम

इंदौर (नप्र)। इंदौर में पिछले 24 घंटों में दिन के तापमान में एक डिग्री की गिरावट आई है। दूसरी ओर रात के तापमान में 2 डिग्री का उछाल आया है। इस दौरान दिन में मौसम में हल्की ठंडक है, जबकि रात को गर्मी का एहसास है। आज सुबह भी हल्की ठंड का एहसास था। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अभी एक-दो दिन मौसम ऐसा ही रहेगा। इसके बाद धीरे-धीरे तापमान बढ़ेगा।

रात का तापमान इन दिनों सामान्य से ज्यादा होने से ठंड का खास असर नहीं है। दरअसल फरवरी के आखिरी हफ्ते में अभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से ऐसा मौसम बना हुआ है। मंगलवार को भी ऐसा ही मौसम बना था,एक-दो दिन बाद तापमान में फिर बढ़ोतरी होगी। इससे दिन और रात को हल्की गर्मी का एहसास होगा।

मध्यस्थता जागरूकता के लिए इंदौर में मैराथन

2 मार्च को सुबह 7.30 बजे दौड़ेंगे सैकड़ों लोग, विजेताओं को मिलेंगे मेडल और पुरस्कार

इंदौर (नप्र)। इंदौर में मध्यस्थता और लोक अदालत जागरूकता के लिए मैराथन दौड़ का आयोजन 2 मार्च को किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग भाग लेंगे। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति एवं उच्च न्यायालय विधि सेवा समिति इंदौर के अध्यक्ष विवेक रूसिया के निर्देशन में इस मैराथन दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। इस मैराथन का उद्देश्य आमजन को मध्यस्थता एवं लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक मामलों के समाधान के बारे में जागरूक करना है। यह दौड़ 2 मार्च को सुबह 7.30 बजे आयोजित की जाएगी।

ये होंगे मैराथन दौड़ में शामिल- मैराथन दौड़ में सभी न्यायाधिपति, जिला न्यायालय के न्यायाधीश, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, उच्च न्यायालय और जिला न्यायालय के अधिवक्ता, सामुदायिक मध्यस्थ, जिले के पैरा-लीगल वॉलंटियर्स, लीगल ऐड डिफेंस काउंसेल, पैनल अधिवक्ता और विधिक सेवा क्षेत्र में कार्यरत स्थानीय एनजीओ एवं स्वयंसेवी शामिल होंगे।

इस दौड़ का शुभारंभ प्रशासनिक न्यायाधिपति एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इंदौर के अध्यक्ष विवेक रूसिया द्वारा अन्य न्यायाधिपतियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा। मैराथन दौड़ का उद्देश्य मध्यस्थता और लोक अदालत जागरूकता को बढ़ावा देना है। विजेताओं को पुरस्कार राशि, मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे, जबकि सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट और कैप दी जाएगी।

यूनियन कार्बाइड मामले में 27 फरवरी को अगली सुनवाई

इसी दिन से पीथमपुर में जलना है कचरा, अब पहले क्रम में होगी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

इंदौर (नप्र)। मंगलवार को यूनियन कार्बाइड के कचरे को जलाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई एक बार फिर आगे बढ़ गई। अब 27 फरवरी को पहले क्रम में इस मामले की सुनवाई होगी। इससे पहले, सोमवार को राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट में यह बताना था कि यदि पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड का कचरा जलाने के दौरान कोई घटना होती है तो उसके पास क्या इंतजाम हैं और उसने इसके लिए क्या तैयारी की है। हालांकि, न्यायमूर्ति के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई स्थगित कर दी गई। इसके बाद, याचिकाकर्ता ने तुरंत ही शीघ्र सुनवाई के लिए आवेदन दे दिया। 17 फरवरी को हुई सुनवाई में कोर्ट ने सरकार से इस संबंध

में विस्तृत जवाब मांगा था। याचिकाकर्ता चिन्मय मिश्र ने बताया कि सोमवार को सरकार को अपना जवाब पेश करना था, लेकिन न्यायमूर्ति बी.आर. गवई के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई टल गई। हमने तत्काल ही शीघ्र सुनवाई का आवेदन प्रस्तुत कर दिया था। जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस आगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के 3 दिसंबर 2024 और 6 जनवरी 2025 के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई थी। याचिकाकर्ता चिन्मय मिश्र ने एडवोकेट सर्वम ऋतम खरे के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा कि वह पीथमपुर में 337 टन खतरनाक रासायनिक कचरे के निस्तारण को लेकर चिंतित हैं। निस्तारण स्थल से एक किलोमीटर के दायरे में कम से कम चार-पांच गांव स्थित हैं। इन गांवों के निवासियों का जीवन और स्वास्थ्य अत्यधिक जोखिम में है। यह उल्लेखनीय है कि गंभीर नदी औद्योगिक क्षेत्र के बगल से बहती है और यशवंत सागर बांध को पानी उपलब्ध कराती है।

पीथमपुर पहुंचे पटवारी और हरीश चौधरी- मंगलवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नवनियुक्त कांग्रेस कमेटी प्रभारी हरीश चौधरी पीथमपुर पहुंचे। मीडिया से बातचीत में पटवारी ने यूनियन कार्बाइड के कचरे को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। पटवारी ने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वे कंपनी के आसपास के इलाकों में पानी की सैंपलिंग करवाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा न्यायालय की आड़ में भोपाल गैस त्रासदी का कचरा पीथमपुर में जलाना चाहती है।

कंस्ट्रक्शन कंपनी के 27 लाख लेकर भागा कर्मचारी

इंजीनियर को सैलरी बांटने के लिए दिए थे रुपए

इंदौर (नप्र)। इंदौर के तिलक नगर में कंस्ट्रक्शन कंपनी का कर्मचारी 27 लाख रुपए लेकर फरार हो गया। वह ऑफिस में साथ काम करने वाले दोस्त की बाइक भी अपने साथ ले गया। बाद में उसने अपना मोबाइल भी बंद कर लिया। इस मामले में इंजीनियर ने थाने आकर कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। बताया जा रहा है कि उसे सैलरी बांटने के लिए रुपए दिए गए थे। तिलक नगर पुलिस ने पंकज कनोजिया, निवासी स्कीम नंबर 140 की शिकायत पर भगवान पुत्र गोविंद नारायण गुर्जर, निवासी ग्राम खंदेवत, जिला टोंक राजस्थान पर चोरी के मामले में केस दर्ज किया है।

पंकज वेल्जी रत्ना सोरठिया इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में इंजीनियर के रूप में पदस्थ हैं। इसका ऑफिस बृजेश्वरी एक्सटेंशन में है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर नीलेश सरोठिया ने कंस्ट्रक्शन साइट्स पर लेबर का पेमेंट बांटने के लिए पंकज को 27 लाख रुपए दिए थे। जो ऑफिस के कबर्ड में रखे थे। पंकज सेलून जाने का बोलकर ऑफिस से निकल था। वापस आने पर उसे बैग नहीं मिला।

संपादकीय

बेकाबू होता मोटापा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बार रेडियो पर 'मन की बात' के 119वें एपीसोड में देश में मोटापे के खिलाफ जागरूकता का आह्वान कर एक बड़ी स्वास्थ्य और सामाजिक समस्या की ओर सबका ध्यान खींचा है। अनियमित जीवन शैली, अपौष्टिक खान पान, मानसिक असंतोष आदि ऐसे कई कारण हैं, जिनकी वजह से लोगों का मोटापा बढ़ रहा है। इसी संदर्भ में पीएम ने लोगों से अपने खाने में तेल का इस्तेमाल 10 फीसदी घटाने का आह्वान करते हुए कहा कि वह 10 लोगों को इस अभियान से जुड़ने का चैलेंज देंगे। इसके लिए उन्होंने शारीरिक रूप से फिट और स्लिम दिखने वाले 10 हस्तियों को नामित किया है। इनमें जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, उद्योगपति आनंद महिंद्रा और अभिनेता मोहनलाल, शूटर मनु भाकर व उद्योगपति नंदन नीलेकणि आदि शामिल हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मोदी द्वारा उन्हें नामित करने पर प्रसन्नता जताई है। पीएम मोदी ने इन सभी से अपेक्षा की है कि वो मोटापे के खिलाफ देशव्यापी जागरूकता अभियान को आगे बढ़ाएंगे। नंदन नीलेकणि ने कहा कि इस अभियान से सेहत दुरुस्त होने के साथ आयात पर निर्भरता घटने और मूल्यवान संसाधनों की बचत होने से देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। हाल के वर्षों देश में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे से प्रभावित है, बच्चों के मामलों में और भी अधिक चिंताजनक वृद्धि हुई है। विश्व मोटापा महासंघ के आंकड़ों पर गौर करें तो भारत में दुनिया में मोटे लोगों का तीसरा सबसे बड़ा प्रतिशत है। किसी व्यक्ति को तब मोटापे की श्रेणी में रखा जाता है जब उसका बीएमआई 27.5 से अधिक हो। पिछले 10 वर्षों में, भारत की मोटापे की दर लगभग तीन गुनी हो गई है, जिसका असर देश की शहरी और ग्रामीण दोनों आबादी पर पड़ रहा है। वैसे तो मोटापे के वैश्विक संकट सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 10 करोड़ से अधिक लोग मोटापे से जूझ रहे हैं। हमारे देश में 12 प्रतिशत पुरुष और 40 प्रतिशत महिलाएं पेट के मोटापे से ग्रस्त हैं। राज्यवार देखें तो केरल (65.4 प्रतिशत), तमिलनाडु (57.9 प्रतिशत), पंजाब (62.5 प्रतिशत) और दिल्ली (59 प्रतिशत) में यह दर बहुत ज्यादा है। मध्य प्रदेश (24.9 प्रतिशत) और झारखंड (23.9 प्रतिशत) में यह दर कम है। मोटापे के कारण शरीर में अत्यधिक वसा का संचय होने लगता है और चयापचय जोखिम शरीर में वसा वितरण से काफी प्रभावित होता है। चिंताजनक बात यह भी है कि भारत में बचपन में मोटापे में भी वृद्धि देखी गई है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के एक हालिया अध्ययन के अनुसार भारत में पहले से ही 1.4 करोड़ बच्चे मोटे हैं। इसका मुख्य कारण खराब आहार और अपौष्टिक आहार, निष्क्रियता और एक गतिहीन जीवन शैली है। प्रोसेस्ड स्नैक्स और फास्ट फूड की बढ़ती लोकप्रियता के कारण बच्चे उच्च कैलोरी, कम पोषक तत्व वाले आहार खा रहे हैं, जिससे वजन बढ़ता है और मोटापा होता है। बचपन में मोटापे के परिणाम व्यापक हैं और लंबे समय में बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। मोटे बच्चों को टाइप 2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और सांस लेने में कठिनाई जैसी दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं होने का उच्च जोखिम होता है। उन्हें निराशा और खराब आत्मसम्मान सहित मानसिक स्वास्थ्य की गड़बड़ी का सामना करना पड़ सकता है। मोदीजी ने यह मुद्दा उठाकर समाज को जागरूक और शिक्षित करने का बड़ा काम किया है, जिसे स्वच्छता अभियान की तर्ज पर आगे बढ़ाना चाहिए। यहां मामला केवल खान पान बदलने तक ही सीमित नहीं है, भाग दौड़ भरी जीवन शैली भी है, उस पर कैसे काबू पाया जाए, यह बड़ा सवाल है।

नजरिया

अनुराग बेहार

लेखक अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के सीईओ एवं अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के संस्थापक वाइस चांसलर हैं। अंग्रेजी अखबार मिंट में प्रकाशित आलेख से अनुदित

शैक्षिक चक्रव्यूह है खालिस कक्षा आधारित शिक्षा मॉडल

किसी भी क्षेत्र में काम करने हेतु तीन तरह की क्षमताओं की आवश्यकता होती है- तकनीकी, सामाजिक एवं मानवीय तथा क्रियान्वयन संबंधी। इनमें से किस क्षेत्र में किस क्षमता की कितनी मात्रा में आवश्यकता है, यह उस क्षेत्र में किए जा रहे काम की प्रकृति के द्वारा निर्धारित होता है, और काम की प्रकृति तब स्पष्ट होती है जब हम उस क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में काम करने वाले लोगों की कार्यों का अवलोकन करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक अग्रिम पंक्ति में काम करने वाले व्यक्ति होते हैं जिनकी भूमिका निभाने के लिए तीनों ही क्षमताओं की आवश्यकता होती है। सूचना और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सॉफ्टवेयर कोडर्स अग्रिम पंक्ति में काम करने वाले व्यक्ति होते हैं, जिन्हें अधिकतर तकनीकी क्षमताओं और थोड़ी मात्रा में सामाजिक एवं मानवीय क्षमताओं की आवश्यकता होती है। राजनीति में अग्रिम पंक्ति में काम करने वाले व्यक्तियों की भूमिका जटिल होती है जिसमें सामाजिक एवं मानवीय तथा क्रियान्वयन संबंधी क्षमताओं का बहुतायत में होना आवश्यक होता है। इन राजनेताओं को शिक्षकों के समान तकनीकी क्षमताओं का ज्ञान होना आवश्यक नहीं होता।

हरेक कार्यक्षेत्र की इस अंतर्निहित कार्य प्रकृति के गंभीर निहितार्थ हैं। लोग एकल और समूह के रूप में अप्रत्याशित व्यवहार कर सकते हैं। उनके विचार तथा व्यवहार में असंगति होती है, साथ ही वे काम समय अंतराल में भी बदल सकते हैं। इन सबका क्रियान्वयन आवश्यकताओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है क्योंकि यह क्रियान्वयन अक्सर लोगों के साथ काम करने के बारे में होता है, जिसमें स्वयं का प्रबंधन भी शामिल होता है। इसमें मानव मन की जटिलता के अलावा सभी तरह के क्रियान्वयन संदर्भ और पर्यावरण भी पर निर्भर करते हैं।

तकनीक के अंतर्गत आने वाली अधिकांश बातों को ज्ञान के रूप में कोडीफाई किया जा सकता है और उसे उपयोग में लाया जा सकता है मगर सामाजिक और मानवीय तथा क्रियान्वयन संबंधी क्षमताओं के साथ ऐसा किया जाना बहुत कठिन है और ऐसा तकनीकी ज्ञान के उस हिस्से के साथ किया जाना भी असंभव है जिसमें कैसे और क्या की बात की जाती है। उदाहरण के लिए- कौन सा इंजेक्शन क्यों और कब लगाना है और इसे कैसे लगाया जाना है।

इस अंतर्निहित वास्तविकता ने हाल ही में एक बैठक में लगभग हास्यास्पद गतिरोध पैदा कर दिया। इस बैठक में तीस लोगों का एक समूह शामिल था, जिसमें से आठ लोग भारत के पाँच शीर्ष बिजनेस स्कूलों में से एक से एमबीए की डिग्री लिए हुए थे और प्रत्येक के पास पच्चीस साल से अधिक का सफल कार्यानुभव था। समूह में गैर-एमबीए (जिनके पास एमबीए की डिग्री नहीं थी) सामाजिक क्षेत्र के लिए एमबीए जैसा शैक्षिक कार्यक्रम विकसित करने के इच्छुक थे। एमबीए डिग्री धारक इस विचार के विरोध में एकजुट थे क्योंकि उनके विचार से 'एमबीए का शैक्षिक मूल्य शून्य के लगभग है।'

उनके जीवन के अनुभव का सार यह था कि शिक्षा के रूप में लेखांकन जैसे विशिष्ट तकनीकी कौशल को छोड़कर एमबीए की डिग्री ने उन्हें आगे के जीवन में किसी काम नहीं आई। आगे के जीवन के लिए उपयोगी हर क्षमता, हर कौशल उन्होंने तब सीखा, जब वे प्रबंधक बन गए। इसमें से अधिकांश कौशल लोगों के साथ समन्वयन करने और क्रियान्वयन से संबंधित थे। ये एमबीए डिग्रीधारी एमबीए कार्यक्रम के मूल्य को कम नहीं कर रहे थे, क्योंकि यह प्रमाण पत्र नए अवसरों के दरवाजे खोल सकता था, व्यापक और सघन नेटवर्क तक पहुँच के अवसर दे सकता था तथा सामाजिक और आर्थिक अवसर प्रदान कर सकता था। लेकिन यह उल्लेख कर रहे थे कि इस डिग्री ने वास्तविक काम के लिए आवश्यक क्षमताओं को विकसित करने में मदद नहीं की।

यह समस्या केवल एमबीए या इसके जैसे शैक्षिक कार्यक्रमों पर ही लागू नहीं होती है। यह समस्या शिक्षा की हर उस शाखा को प्रभावित करती है जो लोगों को ऐसे कार्य जीवन के लिए तैयार करती है जिसके लिए तकनीकी 'ज्ञान' और सामाजिक-मानव या क्रियान्वयन क्षमताओं की आवश्यकता होती है। शिक्षा का हमारा खालिस कक्षा-आधारित मॉडल इन क्षमताओं को पर्याप्त रूप से विकसित नहीं कर सकता है। वास्तव में इन क्षमताओं को विकसित करने के लिए वास्तविक अनुभव और उससे सीखने की आवश्यकता होती है और यह तब और भी बेहतर काम करता है जब कोई सीखने वाले को सीखने में मदद करता हो और कार्यक्रम की समस्त संगठनात्मक या संस्थागत पृष्ठभूमि विशेष रूप से उन क्षमताओं को सीखने की दृष्टि से ही स्थापित की गई हो।

यह कोई नई या अनोखी अंतर्दृष्टि नहीं है। अधिकांश अभ्यासकर्ता मानते हैं कि कक्षा शिक्षण की प्रक्रिया में व्यावहारिक ज्ञान की तुलना में अवधारणात्मक और अमूर्त शिक्षण को प्रधानता दी जाती है। यह एक शैक्षिक हठधर्मिता है जो संस्थागत संरचनाओं और पाठ्यक्रम के दृष्टिकोण में परिलक्षित होती है। इसका मुकाबला करने के लिए ऐसे अधिकांश शैक्षिक कार्यक्रमों में कार्य स्थल का भ्रमण, लाइव प्रोजेक्ट और इंटर्नशिप जैसी गतिविधियाँ शामिल की जाती हैं।

लेकिन वास्तविक आवश्यकताओं के मुक़ाबले यह सब अप्रभावी लगता है, इसलिए ऐसी शिक्षा की मांग उठ रही है जो अधिक व्यावहारिक और कौशल-उन्मुख हो, जिसका उद्योग के साथ घनिष्ठ संबंध हो। फिर भी अकेले इनमें सुधार करने से शायद मदद न मिले। हमें तीन कठिनाइयों का समाधान करना होगा- आधारभूत संकल्पना की समस्या, संसाधन और तीसरी कठिनाई जिसे मैं 'रिसाव' कहता हूँ।

आधारभूत संकल्पना की समस्या यह है कि हमने सभी तरह की शिक्षा को संस्थागत बना दिया है। संस्थागत व्यवस्थाएँ इन क्षमताओं को विकसित करने के लिए आवश्यक सक्रिय और जीवंत अनुभव प्रदान नहीं कर सकती हैं। इस तरह की शिक्षा के लिए प्रशिक्षुता मॉडल सबसे प्रभावी है। इससे भी गहरा मुद्दा यह है कि उपयोगी ज्ञान क्या है। हमारी शिक्षा प्रणाली अमूर्त और सैद्धांतिक ज्ञान को अधिक मूल्यवान मानती है। यह ज्ञान का एक शक्ति आधारित पदानुक्रम स्थापित करती है, जिसे संस्थानों द्वारा काफी हद तक नियंत्रित किया जाता है। इस प्रकार हमारी संस्थागत शैक्षिक संकल्पनाएँ एक 'चक्रव्यूह' में फँस गई हैं, जिससे बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं है।

आधारभूत संकल्पना की समस्या के कारण संसाधनों की समस्या उत्पन्न होती है। आज की बी.एड प्रणाली से शिक्षक शिक्षा या एमबीए प्रणाली से प्रबंधन शिक्षा को प्रशिक्षु-आधारित शिक्षा में बदलने के लिए आवश्यक संसाधनों का पैमाना उच्चतम होगा अर्थात इसके लिए कम लागत वाले परंपरागत कक्षा कक्ष में एक शिक्षक और कई छात्र वाले मॉडल की बजाय वास्तविक कार्यक्षेत्र में एक शिक्षक-एक छात्र अनुपात की आवश्यकता होगी, जिससे आवश्यक संसाधनों की लागत बढ़ेगी।

तीसरा कारक लीकेज या रिसाव, जो अर्थशास्त्रियों का जाना-पहचाना है। ऐसे संदर्भ में जहाँ किसी संस्थान से बाहर निकलने की बाधाएँ कम हैं और लोग आसानी से एक नौकरी को 'बेहतर' नौकरी के लिए छोड़ सकते हैं और संगठनों के पास प्रशिक्षु मॉडल में शिक्षा में भारी निवेश करने के लिए स्वप्रेरणा और प्रोत्साहन नहीं है। एक संगठन, जो निवेश करता है, वह अंततः एक प्रतियोगी की मदद करता सा प्रतीत हो सकता है। इसलिए हमारे पास एक द्वंद्वात्मक दुविधा (कैच-22) है- केवल संस्थागत ढांचे, जैसे बिजनेस स्कूल, शैक्षिक खर्च उठा सकते हैं, लेकिन वे वास्तव में वह नहीं सिखा सकती, जो सबसे ज्यादा मायने रखता है। इसे कैसे हल किया जाए? बहुत कुछ इस पर निर्भर करता है।

विक्रमोत्सव-2025 पर विशेष

मनोज कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

न्यायप्रिय और शौर्य की प्रतिमूर्ति महाराज विक्रमादित्य

भारतवर्ष का इतिहास अनेक न्यायप्रिय और अदम्य साहस दिखाने वाले शासकों से पुष्पित-पल्लवित है। दुर्भाग्य से ऐसे शासकों के प्रति हमारी नवागत पीढ़ी अनजान सी है या उन्हें आधी-अधूरी जानकारी दी गई। मालवा के महाराज विक्रमादित्य से भला कौन परिचित नहीं है? लेकिन नवागत पीढ़ी को यह नहीं मालूम कि विक्रमादित्य के शौर्य भारत के अलावा आसपास के देशों में भी रहा है। विक्रमादित्य पर विपुल साहित्य लिखा गया। महाराज विक्रमादित्य ने किस तरह विक्रम संवत की स्थापना की। विक्रम सम्वत् का प्रवर्तन विक्रमादित्य द्वारा उज्जैन से किया गया। उज्जैन परम्परा से ही काल गणना का एक प्रमुख केंद्र माना जाता रहा और इसीलिए अरब देशों में भी उज्जैन को अजिन कहा जाता रहा। सभी ज्योतिष सिद्धांत ग्रंथों में उज्जैन को मानक माना गया है। आज जो वैश्विक समय के लिए ग्रीनविच की स्थिति है, वह ज्योतिष के सिद्धांत काल में और उसके बाद सैंकड़ों वर्षों तक उज्जैन की रही। यह भी निर्विवाद है कि ज्योतिर्विज्ञान उज्जैन से यूनान और एलेक्जेंड्रिया पहुँचा। काल गणना केंद्र होने से उज्जैन को विश्व के नाभि स्थल की मान्यता भी रही है- 'स्वाधिष्ठानं स्मृता कांची मणिपूरमवंतिका। नाभि देशे महाकालस्यन्नाम्ना तत्र वै हरः।' साथ ही महाकालेश्वर की उज्जैन में अवस्थिति काल के विशेष संदर्भ की द्योतक है। इस प्रकार विक्रम सम्वत् ज्योतिर्विज्ञान के अनुसार भी एक विशेष महत्व रखता है।

भारतवर्ष में विक्रमादित्य युग परिवर्तन और नवजागरण की एक महत्वपूर्ण धुरी रहे हैं। और उनके द्वारा प्रवर्तित विक्रम सम्वत् हमारी एक अत्यंत मूल्यवान धरोहर है। यह भारतीयजन के लिए एक शक्ति और आत्माभिमान का स्त्रोत भी है। यह भी एक बड़ा कारण है कि विदेशी आक्रांताओं ने भारत गौरव तथा ज्ञान संपदा के प्रमाणों, साक्ष्यों, पुस्तकों, स्थापत्यों के सुनियोजित विनाश का अभियान चलाया। हमारी संपदा को विध्वंस किये जाने के प्रमाण लगातार मिलते रहे हैं। इस अभियान को उपनिवेशवादी इतिहासकारों ने भी अपना भरपूर समर्थन दिया। इन सभी की दुरभिसंधि यही थी कि भारत ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, चिकित्सा, आर्थिकी का नहीं बल्कि अंधेरे का क्षेत्र भर था, जिसके उद्धार के लिए गोरांगप्रभु जन ने देश को लूटा, मिटाया और फिर आधुनिक युग में प्रवेश का टिकट दिया, कृपा पूर्वक। उन्होंने दुनिया की तमाम सभ्यताओं के साथ यही कुछ किया. पश्चिम अभिमुख मानस के इतिहासकारों ने इसी क्रम में विक्रमादित्य को भी ध्वस्त करने की सचेत कोशिश की। ऐसे ही एक इतिहासकार डी. सी. सरकार ने विक्रमादित्य की परंपरा को अनैतिहासिक सिद्ध करने का सघन प्रयास किया। उन्होंने एन्शिएंट मालवा एंड दि विक्रमादित्य ट्रेडिशन की भूमिका में दो टूक कहा कि ईस्वी पूर्व प्रथम शती में पारंपरिक विक्रमादित्य के लिए कोई जगह नहीं है. अलबत्ता उन्होंने माना कि विक्रम सम्वत् की स्थापना विक्रमादित्य ने ही की। लेकिन वह उज्जैन के विक्रमादित्य नहीं हैं. लेकिन विक्रम सम्वत् का अस्तित्व उन्होंने या उन जैसे इतिहासकारों ने स्वीकार किया। मालव गणों ने शकों को पराजित ही नहीं किया बल्कि उन्हें भारत भूमि छोड़ने को विवश किया। मालव गणों ने शकों को परास्त कर अवंति क्षेत्र को मालवभूमि बनाया। इसी तिथि से अवंति मालवा कहलाने लगी और विजय तिथि के स्मारक स्वरूप विक्रम सम्वत् का प्रवर्तन हुआ, जिसे कभी-कभी कृत और मालव सम्वत् के रूप में भी संबोधित किया जाता रहा। सम्वत् प्रवर्तन के साथ साथ नये सिक्के भी चलाये गये। सिक्कों पर अंकित किया गया- 'मालवान (नां) जय(यः)'. इसी विजय और गण के अवंति में प्रतिष्ठित होने के समय से आगे की काल गणना के लिए मालव सम्वत् या कहें कि विक्रम सम्वत् प्रशस्त हुआ।

भारतीय संस्कृति पर अभिमान करने वालों के लिए यह निश्चय ही गौरव करने योग्य है कि आज भारत वर्ष में प्रवर्तित विक्रम सम्वत्सर बुद्धनिर्वाणकाल गणना को छोड़ कर संसार के प्रायः सभी ऐतिहासिक सम्वतों में प्राचीन है। यह भारत के इतिहास की एक महत्वपूर्ण परिघटना है। विक्रम सम्वत् के उद्भव तक विशुद्ध वैदिक संस्कृति का काल, रामायण और महाभारत का युग, महावीर गौतम बुद्ध का समय, चंद्रगुप्त मौर्य एवं प्रियदर्शी अशोक, पुष्यमित्र शुंग की साहसगाथा, वेद, पुराण, सूत्रग्रंथ एवं स्मृतियों की रचना भारतवर्ष में हो चुकी थी, वैयाकरण पाणिनी और पतंजलि और चाणक्य के पांडित्य तथा राजनीतिक बुद्धिमत्ता चतुर्दिक फैल चुकी थी। विक्रमादित्य का समय भारशिवनागों, समुद्रगुप्त, चंद्रगुप्त विक्रमादित्य, स्कंदगुप्त, यशोवर्मन, विष्णुवर्द्धन के बल और प्रताप की चमक से विश्व को चमत्कृत करने का समय था, यह ही वह समय था जब दुनिया कई भागों में भारत की संस्कृति व भारत के धर्म की सुगंधि विस्तारित थी। कालिदास, भवभूति, भारवि, भतृहरि, वराहमिहिर, माघ, दंडी, बाणभट्ट, धन्वन्तरि, कुमारिल भट्ट, आद्य शंकराचार्य, नागार्जुन, आदि की रचनाप्रतिभा चतुर्दिक व्याप्त थी। विक्रमादित्य के अस्तित्व की गुत्थी भी विक्रम सम्वत् की वजह से अधिक उलझी लगती है क्योंकि विक्रम सम्वत् का प्रवर्तन विदेशी आक्रांता शकों की पराजय और उन्हें देश से बाहर भगाने से आबद्ध हैं। और उपनिवेशवादी मानस इस बात को स्वीकारने के लिए तत्पर ही नहीं है कि भारतवर्ष में विदेशियों को मार भगाने का साहस कभी रहा भी था। विक्रमादित्य उन चुनिंदा शासकों में से थे जिन्होंने देश को विदेशी हमलावरों से मुक्ति दिलाई और इस महती उपलब्धि के उपलक्ष्य में विक्रमादित्य ने विक्रम सम्वत् का प्रवर्तन किया। मान्यता यह भी है कि जनता के ऋण मुक्त होने के अवसर पर उज्जैन में ऋण मुक्तेश्वर महादेव मंदिर तत्समय ही स्थापित हुआ होगा। कथा सरित्सागर में उल्लिखित है ही कि -''न मे राष्ट्रे पराभूतो न दरिद्रो न दुखितः।' विक्रमादित्य सब लोगों के हितों की रक्षा करता था। उसके राज्य में न कोई दुखी था,न दरिद्र था और न कोई पराभूत। शकों पर अप्रतिम विजय के कारण विक्रमादित्य शकारि भी कहलाये और अप्रतिम साहस प्रदर्शन के कारण साहसांक भी।

मध्यप्रदेश सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदेश है और इस श्रृंखला में विक्रमोत्सव का आयोजन प्रदेश को एक नई पहचान देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेपाल जैसे राष्ट्र में विक्रम संवत से कैलेंडर प्रचलन में है. सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन और अन्य महत्वपूर्ण पक्षों की जानकारी पाठ्यक्रम में भी सम्मिलित की जाए। विक्रमोत्सव की सम्पूर्ण परिकल्पना मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की है। विक्रमोत्सव महाशिवरात्रि से आरंभ होकर सृष्टिकर्ता महादेव के महोत्सव से सृष्टि के आरंभ दिवस वर्ष प्रतिपदा 30 मार्च तक चलेगा। इस विराट आयोजन में सम्राट विक्रमादित्य के युग, भारत उत्कर्ष, नवजागरण और भारत विद्या पर केंद्रित रहेगा। इसके तहत साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही ज्योतिर्विज्ञान, विचार गोष्ठियां, इतिहास और विज्ञान समागम, विक्रम व्यापार मेला, लोक एवं जनजातीय संस्कृति पर आधारित गतिविधियां संचालित होंगी। विक्रमोत्सव में 27 फरवरी से आर्ष भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा, विक्रमकालीन मुद्रा एवं मुद्रांक, श्रीकृष्ण की 64 कलाएँ (मालवा की चितरावन शैली में), श्रीकृष्ण होली पर्व, चौरासी महादेव, जनजातीय प्रतिरूप, सम्राट विक्रमादित्य और अयोध्या, प्राचीन भारतीय वाद्य यंत्र, देवी 108 स्वरूप और देवी अहित्या पर निर्मित स्थापत्य पर प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। साथ ही शैव परंपरा एवं वास्तु-विज्ञान, भारत में संवत परंपरा-वैशिष्ट्य एवं प्रमाण पर शोध संगोष्ठी होगी। वायलिन वादक अनुप्रिया देवेताले अपनी प्रस्तुति देंगी। एक से 3 मार्च 2025 तक वैचारिक समागम के अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य का न्याय विषय पर मंथन होगा। आठ मार्च को लोक रंजन में बोलियों का अखिल भारतीय कवि सम्मेलन होगा। विक्रमोत्सव में दस से 12 मार्च तक अंतर्राष्ट्रीय इतिहास समागम होगा। पन्द्रह से 16 मार्च तक संहिता ज्योतिष एवं वैशिष्ट्य एवं आचार्य वराह मिहिर पर संगोष्ठी, 21 मार्च से महादेव शिल्पकला कार्यशाला तथा प्रतिदिन मांडना शिविर लगाए जाएंगे। इसी क्रम में 21 से 25 मार्च तक पौराणिक फिल्मों का अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव, आदि बिम्ब के अंतर्गत जनजातीय संस्कृतिक पर केंद्रित फिल्मों का प्रदर्शन होगा। साथ ही 21 से 29 मार्च तक विक्रम नाट्य समारोह, वेद अंताक्षरी, 22 मार्च को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, 26-28 मार्च को राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन और विज्ञान उत्सव होगा।

कटाक्ष

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

कुर्सी का काला खेल, संगीत का उजला मेल

जिंदगी मानो दो परस्पर विरोधी धाराओं का अखाड़ा है–एक ओर वह जो सत्ता की पिपासा में अपने कंठ को फाड़कर चीखता है, दूसरी ओर वह जो अपने सुरों की मल्हार से रूह को अमृतपान कराता है। राजनीति वह दलदल है, जहाँ साज़िशों की बेलें विषवृक्ष बनकर लहराती हैं, गठबंधनों का सौदा होता है, और अवसर मिलते ही विश्वसनीयता को तिलांजलि दे दी जाती है। इसके ठीक विपरीत, संगीत एक ऐसी निर्झरिणी है, जो लोभ-मोह की मर्यादाओं से परे, बिना किसी छल-प्रपंच के हृदयों को सुरों की अटूट डोर में बाँध देती है। न विश्वासघात, न छलावा–बस एक ऐसी रागिनी जो आत्मा को मधुर आलिंगन में भर लेती है। किंतु विधि का यह कटु सत्य है कि सत्ता का भूत जब किसी पर सवार होता है कि भाई-भाई की पीठ में छुरा घोंप देता है, जबकि सुरों का सच्चा साधक अपने शिष्य को स्वर-सिंधु में डुबोकर उसे अनंत ऊँचाइयों तक पहुँचा देता है।

राजनीति का असली मज़ा तो उसकी बेशर्मी में छुपा है। कल जो एक दरबार में चरणों में लोट रहे थे, आज दूसरे की चप्पलें चूमते नज़र आते हैं। कोई 'बड़ा भाई' बनकर पीठ में खंजर मारता है, तो कोई मुलायम की चौखट छोड़कर मोदी के डेरे में ठुमके लगाता है। यहाँ न गुरु-शिष्य की मर्यादा, न कोई पवित्र रिश्ता–बस सौदेबाज़ी की सुई टनटनाती रहती है। मगर संगीत की दुनिया में ऐसा कहाँ? वहाँ उस्ताद चट्टान-सा अडिग खड़ा रहता है, और शागिर्द उसकी छाँव में पनपता-चमकता है। उस्ताद कोई ढोंगी बाबा नहीं, जो गले में तावीज़ टाँगे घूमे; वह तो सुरों का जादूगर है, जो ऐसी माला गूँथता है कि सीधे ऊपरवाले के दरबार में पहुँच जाए।

राजनीति का ढोल ऐसा बेसुरा कि मज़हब के नाम पर चिंगारियाँ भड़काए, और उसकी राख से अपनी गंदी दुकान चलाए। किसी शानदार निशानी को अपने हिसाब से रंग दो, किसी बुलंद छाया को ज़मीन में मिलाने की साज़िश रचो–ये सब इनके घटिया तमाशे हैं, बस भीड़ को ठगने का धंधा। मगर ज़रा संगीत की तरफ़ आँख उठाकर दिखाओ! किसी उस्ताद की शहनाई को मज़हब की तलवार से चीरो, किसी सितार की झंकार को हिंदू-मुसलमान की कसौटी पर कसो-है हिम्मत तो करो! तानसेन की रागिनियों में आग की लपटें सुलगाओ, रसखान की बाँसुरी छीनकर उसकी धुन को कुचल दो–सुरों का ज़ोर नहीं टूटेगा, तुम्हारी गर्दन की अकड़ ज़रूर धूल चाटेगी। आत्मा को अमर का ख़िताब दो, फिर रूह को जूतों तले रौंदने की गुस्ताख़ी करो–किसी रानी के जज़्बे को गंदे लफ़्ज़ों से तोलो, मगर मियाँ की तोड़ी की लय को तोड़ने का दुस्साहस करके दिखाओ!

ये कुर्सी के दीवाने हरियाली को अपने झंडे की ओट में ढाँपते हैं, सुनहरे रंग को अपनी चादर में लपेटकर नचाते हैं। मगर इस खुले आसमान में ये रंग आज़ाद लहराते हैं, इन्हें कौन अपनी गंदी मुट्ठी में क़ैद कर लेगा? चाँद को अपने मज़हब का बंधक बनाने की ख़्वाहिश पालो, सूरज को अपनी खेती का ढोंगी नौकर बनाओ–मगर ये दोनों तो सबके साथी हैं। चाँद कभी ईद का हमनवाज़, कभी करवा चौथ का साक्षी; सूरज कभी संक्रांति का मेहमान, कभी गुरु का चमकता चेहरा–इनके सामने तुम्हारी सारी चालें बेमानी हैं, बस हवा में फुसफुसाती रह जाती हैं।ज़िंदगी का असली मज़ा तो जुगलबंदी में छुपा है। कोई स्वर की मिठास बिखेरे या कोई गायक की गहराई से रूह को थामे–दोनों मिलकर दिल को लट्टू कर देते हैं। चाहे कोई पंडित तान छेड़े, चाहे कोई खान धुन उड़ाए–सुरों की दुनिया में ऊँच-नीच का झमेला कहाँ? सितार की तारें हों या तबले की थाप–जब साथ में गूँजते हैं, तो मुँह से बस 'वाह-वाह' ही फूटता है। 'रैना बीती जाए'–ये मियाँ की तोड़ी का ऐसा जादू है, जिसे कुर्सी का कोई पहलवान अपनी भैंस की ताकत से भी नहीं मिटा सकता।सुबह की ताज़गी हो मियाँ की तोड़ी, या बारिश की बूँदों में मेघ मल्हार–ये ज़िंदगी के सुर हैं, जो रग-रग में बसते हैं। शिवरंजनी की चुलबुली शरारत हो या यमन की रूहानी सैर–हर साज़ में एक ही रंग समाता है। मालकौंस की धुन बजे, तो मन हरि के पीछे नाचने को बेकरार हो जाए। चाहे सरोद की गहरी आवाज़ हो, चाहे शहनाई की सीधी आत्मा तक की पुकार–सब एक ही राग में डूबते हैं, और वो है देस का राग। ये राग न कुर्सी की चापलूसी का गुलाम है, न वोटों की ठेकेदारी का भिखारी। ये तो बस यूँ ही बहता है, जैसे बादल बिना किसी रोक-टोक के बरसते हैं।अब ज़रा राजनीति के ढोल को देखो–शोर मचाए, चिल्ल-पों करे, मगर सुर की एक लकीर भी न पकड़ सके। कुर्सी के नीचे से ज़मीन खिसक जाए, तो ये सारे बादशाह मुँह के बल धड़ाम से गिर पड़ते हैं। मगर संगीत? वो तो ज़मीन पर कदम जमाकर आसमान को भी सलाम ठोकने पर मजबूर कर देता है। एक तरफ़ कुर्सी का तमाशा, जहाँ मज़हब के नाम पर तलवारें लहराई जाती हैं; दूसरी तरफ़ सुरों का जहान, जहाँ दिलों के किवाड़ खुलते हैं। अब फैसला तुम्हारे हाथ–कुर्सी की कर्कश चीखों में कान फोड़ोगे, या सुरों के सुकून में गोते लगाओगे? क्योंकि जहाँ राजनीति की चिल्लाहट थम जाती है, वहाँ संगीत का आलाप गूँज उठता है–और वो कभी थमने का नाम नहीं लेता।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

लेखक व्यंग्यकार हैं।

विक्रम और बेताल की मीडिया यात्रा

राजा विक्रमादित्य ने जैसे ही बेताल को कंधे पर लादा, वह कुटिल हंसी हँसते हुए बोला, 'राजन! चलो तुम्हें आज की दुनिया का एक नया किस्सा सुनाऊँ। यह कथा एक प्रसिद्ध न्यूज़ चैनल के न्यूज़ एंकर की भर्ती प्रक्रिया पर आधारित है। सुनने के बाद, अगर तुमने उत्तर न दिया, तो मैं तुम्हारे सिर के टुकड़े-टुकड़े कर दूँगा।'

विक्रम ने गंभीर स्वर में कहा, 'बोलो बेताल, मैं उत्तर दूँगा।'

बेताल ने कहना शुरू किया-

राजधानी के सबसे प्रसिद्ध न्यूज़ चैनल 'राष्ट्र की पुकार' ने घोषणा की कि उन्हें नए न्यूज़ एंकर की आवश्यकता है। चयन प्रक्रिया अत्यंत गोपनीय और सख्त थी, जिसे केवल बुद्धिमान, सतर्क और कुशल पत्रकार ही पार कर सकते थे। लेकिन असली योग्यता कुछ और थी।

भर्ती के लिए तीन उम्मीदवार आए–राघव, सुरेश, और मोहन। तीनों ही योग्य थे, लेकिन क्या वे योग्यतम थे? निर्णय के लिए उन्हें चैनल के प्रधान संपादक भक्तिभूषण आचार्यजी के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

आचार्यजी ने तीनों को बुलाया और पहला प्रश्न किया, 'सत्य क्या है?' राघव, जो पुराने ज़माने के पत्रकारिता मूल्यों में विश्वास रखता था, बोला,'सत्य वही है, जो निष्पक्ष हो और जनता के भले के लिए हो।'

आचार्यजी का चेहरा सख्त हो गया। 'यह तो बेवकूफी है! निष्पक्ष पत्रकारिता नाम की कोई चीज़ नहीं होती। जाओ, तुम असफल रहे।'

अब सुरेश की बारी थी। उसने सोचा और चतुराई से जवाब दिया, 'सत्य वह है, जिसे हम बार-बार दोहराकर सत्य बना दें।'

आचार्यजी मुस्कुराए। 'अच्छा है, लेकिन पर्याप्त नहीं। हमें इससे भी अधिक प्रतिबद्धता चाहिए।'

अब मोहन की बारी थी। उसने गर्व से उत्तर दिया, 'सत्य वह है, जिसे सत्ता सत्य माने।'

आचार्यजी खुशी से उछल पड़े। 'तुम सही पत्रकार बनने की राह पर हो!'

आचार्यजी ने अगला परीक्षण शुरू किया। उन्होंने तीनों को एक नकली बहस में भाग लेने को कहा। विषय था–'देश में महंगाई नहीं बढ़ी, यह सिर्फ़ अफ़वाह है।' राघव ने आँकड़ों और रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए बताया कि महंगाई वाकई बढ़ रही है।

आचार्यजी गुस्से में बोले, 'तुम्हारी आवाज़ इतनी धीमी क्यों है? एंकर को सबसे ज़्यादा बोलना चाहिए, अतिथियों को नहीं! जाओ, तुम असफल रहे।'

अब सुरेश ने अपनी बारी ली। उसने ज़ोर से बोलना शुरू किया, बीच-बीच में अतिथियों को टोकने लगा, लेकिन आचार्यजी अब भी संतुष्ट नहीं थे।

फिर मोहन आया। उसने ऐसे ज़ोर से चीखना शुरू किया कि स्क्रीन के शीशे तक चटकने लगे। हर सवाल के जवाब में वह सिर्फ़ यही बोलता, 'देशद्रोही मत बनो! देश के खिलाफ मत बोलो!'

आचार्यजी ताली बजाते हुए बोले, 'वाह! तुम तो न्यूज़ एंकर बनने के लिए ही जन्मे हो।'

अब सबसे कठिन परीक्षा थी। आचार्यजी ने तीनों से कहा, 'मान लो, तुम्हारे पास एक वीडियो है जिसमें सरकार के एक मंत्री घोटाले में लिप्त पाए गए हैं। तुम क्या करोगे?'

राघव ने कहा, 'मैं जनता को सच बताऊँगा।'

आचार्यजी ने सिर पीट लिया। 'अरे मूर्ख, तुम मीडिया में किसलिए आए हो? सत्य बोलने के लिए तो संत बनना चाहिए था! बाहर जाओ।'

सुरेश ने कहा, 'मैं वीडियो को थोड़ा संपादित करके दिखाऊँगा ताकि मामला बहुत बड़ा न लगे।'

आचार्यजी बोले, 'अच्छा प्रयास है, लेकिन अभी भी तुम्हें सीखने की जरूरत है।'

मोहन ने गर्व से कहा, 'मैं वीडियो को पूरी तरह से गायब कर दूँगा और उल्टा विपक्ष को इस घोटाले का दोषी साबित कर दूँगा!'

आचार्यजी हर्षित होकर बोले, 'अरे! यही तो असली पत्रकारिता है! तुम पास हुए। अब तुम हमारे चैनल के न्यूज़ एंकर हो।'

बेताल हँसते हुए बोला, 'राजन! बताओ, इस कथा से हमें क्या शिक्षा मिलती है?'

विक्रम गंभीर स्वर में बोले, 'इससे हमें यह शिक्षा मिलती है कि आज की पत्रकारिता में सत्य और निष्पक्षता गौण हो गई है। अब सफलता उसी की होती है जो सत्ता का वफादार बने, सच को मनचाहा मोड़ दे, और जनता की आवाज़ को अपनी चीख से दबा दे।'

इतना सुनते ही बेताल फिर से उड़कर पेड़ पर जा लटका और बोला, 'राजन! तुमने फिर उत्तर दे दिया। अब मुझे फिर से पकड़ो!'

विक्रम मुस्कुराए और फिर बेताल को पकड़ने चल पड़े।

महाशिवरात्रि विशेष

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

लेखक स्तंभकार हैं।

शिव तो आशुतोष शशांकशेखर, चन्द्रमौली चिदंबरा

बाहर से देखने पर वह बहुत बड़ी समस्या लगती है लेकिन जब उससे दो-चार होते हैं तो लगता है इससे निपटना कोई बड़ी बात नहीं। यह शिव तत्व ही है जो हमारे अंदर के साहस को जागृत करता है, विश्वास को प्रगाढ़ करता है। शिव मूलतः संस्कृत का शब्द है जिसका अर्थ है समस्त परेशानियों, समस्याओं का नाश करने वाले। वेदों, उपनिषदों में शिव नाम की अलग अलग व्याख्याएं हैं लेकिन मंतव्य एक ही है। यजुर्वेद में शिव को शांति का दाता माना गया है, अर्थ वही है कि समस्या, परेशानी के अंत पर शांति ही मिलती है।

कुछ भी भद्दा सा सुनने, देखने में आता है तो मुंह से अनायास निकलता है शिव, शिव, शिव। दुनिया में जितना आलोक है वही शिव हैं और जहाँ उसमें खामी आती दिखती है या सुनाई देती है तो उस अनुपम आलोक की याद स्वतः उल्लेखित हो जाती है। हर खामी का खामियाजा शिव ही भरते हैं क्योंकि यह परम सत्ता शिव की ही अनुगामिनी है। तभी तो वे विष का भी वरण कर नीलकंठ हो जाते हैं। इसलिए कहा जाता है कि इस संसार में कोई ऐसी समस्या या चुनौती नहीं है जिसे हल नहीं किया जा सकता क्योंकि सारा भार तो उस शिव तत्व ने अपने ऊपर ले रखा है। इसलिए कहा गया है कि ईश्वर, प्रकृति आपको कोई ऐसी समस्या देती नहीं है जिसे आप हल ना कर पाएँ। बाहर से देखने पर वह बहुत बड़ी समस्या लगती है लेकिन जब उससे दो-चार होते हैं तो लगता है इससे निपटना कोई बड़ी बात नहीं। यह शिव तत्व ही है जो हमारे अंदर के साहस को जागृत करता है, विश्वास को प्रगाढ़ करता है। शिव मूलतः संस्कृत का शब्द है जिसका अर्थ है समस्त परेशानियों, समस्याओं का नाश करने वाले। वेदों, उपनिषदों में शिव नाम की अलग अलग व्याख्याएं हैं लेकिन मंतव्य एक ही है। यजुर्वेद में शिव को शांति का दाता माना गया है, अर्थ वही है कि समस्या, परेशानी के अंत पर शांति ही मिलती है।

शिव ऐसी ऊर्जा हैं जिन्होंने शांति के साथ शक्ति को शिरोधार्य कर रखा है। इसलिए उन्हे अर्धनारीश्वर भी स्वरूप दिया गया है। शांति के साथ शक्ति विरोधात्मक लग सकती है लेकिन हैं एक दूसरे के पूरक। जहाँ भारतीय संस्कृति में कभी भी एकल तत्व विचारधारा का अस्तित्व रहा ही नहीं है। जहां पर भी है दो शक्तियों का मिल नहीं है। वे चाहे स्त्री-पुरुष के रूप में हो या फिर चर-अचर, चेतन-अवचेन, मन शक्ति-प्राण शक्ति, देव-दानव आदि रहे हैं। शिव का एक अर्थ शून्य भी है। अर्थात शून्य के उपरांत सीधे दो। एक बीच में आता ही नहीं है। अध्यात्म के अंकगणित में एक आता ही नहीं है बाकी सभी अंक आते हैं। भारतीय अध्यात्म यह नहीं कहता है कि एक ही मार्ग है। उस परम सत्ता तक पहुंचने के लिए कई मार्ग हैं जिस पर आपको रुचिकर लगता है, चल सकते हैं और अपनी मंजिल पा सकते हैं। जितने भी धर्मग्रंथ है वे भी यही पैरवी करते हैं कि जितने लोग होंगे उतने मन होंगे और उतने ही विकल्प। इसलिए हर ग्रंथ में कहा जाता है कि आप यह करें या फिर यह करें और इतना भी नहीं करना है तो यह कर लें। अर्थात विकल्पों की भरमार। इसलिए हमारे यहाँ तैंतीस हजार देवी देवताओं की योजनाबद्ध रूप से गढ़ा गया है ताकि जो आपको पसंद हो उन्हे अपना इष्ट बनाकर भज सकते हैं। शिव उन सब विकल्पों के विकल्प हैं। स्वयं शिव के ही 108 नाम है। जहां सबसे कम नियम-कायदे हो वही शिव है। वे भस्म धारण करते हैं। जो प्रतीक है इस संसार के क्षणिक होने का। धतुरे, बिल्वपत्र को धारण करते हैं जो प्रतीक है कि जीवन में जो काँटे आएँ या फिर निर्णय के तिराहे आए तो शिव को समर्पण करने से ही आपकी राह के काँटे दूर हो जाते हैं और निर्णय के तिराहे पर सही निर्णय आप कर पाते हैं। बिल्व पत्र के तीन पात हमारे तीन रजस, तमस और सत्व को दर्शाता है। थोड़ा सा रजस इसलिए कि हम कार्य कर सकें, थोड़ा सा तमस इसलिए कि हम सही से सो पाएँ और सत्व इसलिए कि यही जीवन का आधार। इसलिए बिल्व पत्र के तीन पत्तों में बीच वाला सत्व का पत्ता बड़ा और शेष दो छोटे। शिव पूजा में फल इसलिए कि जो हम चाहते हैं वह फलित हो, फूल इसलिए कि हम उनकी तरह खिलें और जल इसलिए कि जल की दो विशेषताएं हमारे अंदर आएं। पहली, संघर्ष की क्योंकि जल जहाँ भी जाता है पहाड़, उबड़-खाबड़ रास्ते में भी अपना रास्ता बना ही लेता है, संघर्ष ही जीवन है को दर्शाता है और दूसरा है विनम्र भाव, पानी जैसी परिसथति होती है वैसी में ढल जाता है, जिस पात्र में डालो वैसा ही हो जाता है। यही आवश्यक है मानव जीवन के लिए।

शिव को शून्य से जोड़ना भी बहुत ही वैज्ञानिक है। जहाँ कुछ भी नहीं है वहाँ शिव यानि की आकाश तत्व है। भारतीय आध्यात्म में कहा जाता है कि जब आप शून्य को प्राप्त कर लेते हैं तभी आप ब्रम्हज्ञानी बन जाते हैं। एक ब्रह्मज्ञानी को शून्य में ही लगता है कि वह स्वयं ही सृष्टि है। क्योंकि किसी को ब्रह्मज्ञानी कहने का मतलब है कि उसने ये अनुभव कर लिया है कि सृष्टि वो खुद ही है। अगर आपको इस सृष्टि को अपने भीतर एक क्षण के लिए भी बसाना है, तो आपको वो शून्यता बनना होगा। सिर्फ शून्यता ही सब कुछ अपने भीतर समा सकती है। जो शून्य नहीं, वो सब कुछ अपने भीतर नहीं समा सकता। एक बर्तन में समुद्र नहीं समा सकता। ये ग्रह समुद्र को समा सकता है, पर सौर्य मंडल को नहीं समा सकता। सौर्य मंडल ग्रहों और सूर्य को समा सकता है, पर बाकी की आकाश गंगा को नहीं समा सकता। अगर आप इस तरह कदम दर कदम आगे बढ़ें, तो आखिरकार आप देखेंगे, कि सिर्फ शून्यता ही हर चीज़ को अपने भीतर समा सकती है। और अंत में यही कहा जाता है कि जो सबसे बड़ा शून्य है वही शिव तत्व है जिसके तहत सब कुछ आता है। 'शिव' शब्द की व्याख्या करते हुए कहा गया है- 'शेते सर्व जगत् यस्मिन् इति शिव' अर्थात् जिसमें समस्त जगत शयन कर रहा है, सो रहा है, उसे शिव कहते हैं।

शिव का एक-एक अंग व हिस्सा इस संपूर्ण संसार की सबसे सरल अभिव्यक्ति है। शिव की जटाएँ पूर्णतः अंतरिक्ष का प्रतीक है जो आकाश तत्व से बना है। यह अनंत है और इसका विस्तार अनंत है। जो सबको धारण करता है, अच्छा, बुरा सब। शिव की जटा पर पर चन्द्रमा भी होता है जो प्रतीक है शीतलता का, मन का। सारा खेल मन ही करता है इसलिए मन को संतुलित शिव के माध्यम से ही हो सकता है। त्रिनेत्र धारी इसलिए कहा जाता है कि दो आंखें तो सिर्फ संसार को देखने के लिए है वहीं तीसरी नेत्र ज्ञान और प्रज्ञा की प्रतीक है। वर्तमान में रहकर प्रज्ञा के सहारे भविष्य को जाता जा सकता है और श्रेष्ठ निर्णय लिए जा सकते हैं। सर्पहार को वरण करना शिव की चेतन्य, सतर्क अवस्था को दर्शाता है जहां ध्यान अवस्था तुरीय अवस्था को अभिव्यक्त करता है। त्रिशूल प्रतीक है भौतिक, दैविक और आध्यात्मिक धाराओं का और साथ में वह शक्ति का प्रतीक भी है। डमरू उस अनहद नाद का प्रतीक है जिसकी आकांक्षा सभी को रहती है। शिव के नंदी चार पैर वाले होकर धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष के प्रतीक होने के साथ अनंत प्रतीक्षा, धेर्य के संप्रतीक हैं। नंदी उस भक्ति के प्रतीक है जो अपने ईश्वर से मिलने को तो आतुर है लेकिन सीमाओं में। इसी का प्रमाण है कि ध्यानस्थ शिव को कोई भी संदेश पहुंचाना हो तो नंदी सर्वश्रेष्ठ माध्यम हैं। इसलिए शिव के पहले नंदी के चरण छुए जाते हैं। षिव भय, क्रोध अहंकार को हर लेते हैं और इसलिए उनसे ही यह प्राप्ति हो सकती है तभी तो महामृत्युजंय मत्र भी कहता है, त्यंम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥ हम उस त्रिनेत्रधारी भगवान शिव की आराधना करते है जो अपनी शक्ति से इस संसार का पालन -पोषण करते है उनसे हम प्रार्थना करते है कि वे हमें इस जन्म -मृत्यु के बंधन से मुक्त कर दे और हमें मोक्ष प्रदान करें। जिस प्रकार से एक ककड़ी अपनी बेल से पक जाने के पश्चात् स्वतः की आज़ाद होकर जमीन पर गिर जाती है उसी प्रकार हमें भी इस बेल रुपी सांसारिक जीवन से जन्म -मृत्यु के सभी बन्धनों से मुक्ति प्रदान कर मोक्ष प्रदान करें।

महाशिवरात्रि

नलिन खोईवाल

(लेखक एंटी एजिंग साइंटिस्ट एवं पूर्व प्राचार्य हैं)

शिव शाश्वत सत्य, शिव ही निराकार

शिव की महिमा जगत में अति कल्याणकारी और बहुत निराली है।तन में मन में शिव है,कण-कण में शिव है। शिव योगियों के योगी है। सत्य, धर्म, निष्ठा और सहिष्णुता के मार्ग पर चलने के लिए जीवन में शिव नियम और संयम का पालन नितांत आवश्यक है। शिव जगत के पालनकर्ता है और सारी सृष्टि शिव से ही चलायमान है। शिव जहाँ है वहाँ सुमति है,सद्गति है, सन्मति है और जीवन में गति है। शिव ही सृष्टि है,शिव ही दृष्टि है और शिव ही अमृत वृष्टि है।शिव कर्ता है,शिव विघ्नहर्ता है।शिव का धैर्य और संयम अद्वितीय है। सत्य ही शिव है और शिव ही सुंदर है। परमपिता का साक्षात स्वरूप है शिव। बुराइयों से मुक्ति का मार्ग है शिव और पाप विनाशक भी है शिव। शिव ही प्रेम है, शिव करुणा का सागर है,शिव साधना है और शिव ही आशक्ति का मार्ग है।शिव ही शक्ति है,शिव ही भक्ति है और शिव ही मुक्ति है। शिव शाश्वत सत्य है,शिव निराकार है। शरीर,मन और बुद्धि से आत्मा की यात्रा है शिव। त्याग,तपस्या,समर्पण की प्रतिमूर्ति है शिव।शिव ही वेद है,शिव ही पुराण है और धर्मग्रंथों का सार भी शिव है। शिव को जानने के लिए अंतर्मन के तमस को दूर करना होगा। मन को पवित्र और शुद्ध करना शिवत्व है। देवों के देव है महादेव। श्रावण मास में शिव की आराधना करने से सब मनोकामनाएं पूर्ण होती है। ऊँ नमः शिवाय का जाप करने से कष्टों का निवारण होता है और अंतस में सुख-शांति और आनंद की विलक्षण अनुभूति होती है।घर में समृद्धि,यश और वैभव रहता है।

शिव के तीनों नेत्र अलग-अलग गुणों के प्रतीक माने गए हैं। महादेव के दाएं नेत्र को सत्वगुण और बाएं नेत्र को रजोगुण का वास माना गया है और तीसरे नेत्र में तमोगुण का वास है। कहा जाता है कि भगवान शिव की दो आंखें भौतिक जगत की सक्रियता पर नजर रखती हैं, तो वहीं तीसरी आंख का कार्य है पापियों पर नजर रखना।कहते हैं कि भगवान शिव दो स्थिति में तांडव नृत्य करते हैं। पहला जब वो क्रोधित होते हैं तब वे बिना डमरू के तांडव नृत्य करते हैं। परंतु दूसरा जब वे डमरू बजाते हुए तांडव करते हैं तो इसका अर्थ यह है कि वे आनंदित हैं, प्रकृति में आनंद की बारिश हो रही है। ऐसे समय में शिव परम आनंद से पूर्ण रहते हैं। नटराज, भगवान शिव का ही रूप है, जब शिव तांडव करते हैं तो उनका यह रूप नटराज कहलाता है।

शिव ने जगत के कल्याण के लिए विष को ग्रहण किया और नील कंठ कहलाएं। शिव के शीश पर चंद्र विराजे हैं जो कि शीतलता,धैर्य और समरसता का प्रतीक है।सिर पर विराजी गंगा,नियम और संयम की सूचक है और यह दर्शाती है कि शिव हर अभिमान से परे हैं। त्रिशूल तम, अरज और असर का प्रतीक है और असुरों-पापियों का विनाशक भी है। सृष्टि के संतुलन के लिए शिव ने अपने हाथों में डमरू धारण किया है जो कि नीरस जीवन को संगीत के सप्तक सुरों से सुसज्जित करता है। गले में लिपटे सर्प प्रेम और भक्ति का पर्याय है। शिवजी तन पर भस्म लगाकर संसार को यह संदेश देते हैं कि हमारा शरीर नश्वर है और एक दिन इसी भस्म की तरह मिट्टी में मिल जाएगा। इसलिए हमें इस नश्वर काया पर कदाचित घमंड नहीं करना चाहिए और इसे संसार के परोपकार के लिए उपयोग करना चाहिए।

जय-जय शिव भोले भंडारी,
विपदा हर लो सब की सारी ।

कर कैलाश पर वास तुमने,
किया असुरों का विनाश तुमने,
इन बलाओं से हमें बचाओ,
त्रिलोक के ओ पालन हारी,
जय-जय शिव भोले भंडारी ।

धूम से निकले जिसकी सवारी,
छवि है उसकी अति मनहारी,
हर मुश्किल से हमें बचाकर,
बिगड़ी बनाएँ जो हमारी,
जय-जय शिव भोले भंडारी ।

डाल गले सर्पों की माला,
पी लिया तुमने विष का प्याला,
कृपा तेरी कितनी हम पर,
डोलती नैया पल में तारी,
जय-जय शिव भोले भंडारी ।

त्रिनेत्र धारी हो त्रिशूल धारी,
गंगा धारी ओ चंद्र धारी,
है कालों के काल महाकाल,
महिमा तोरी जग में न्यारी,
जय-जय शिव भोले भंडारी ।

शिव रात्रि

रामेश्वरम तिवारी

सनातन के प्रहरी-उपासक हैं हम,
शिव पूजक शक्ति साधक हैं हम,
सनातन के प्रहरीज्!

नहीं किसी को शत्रु मानते अपना,
गैरों को गले लगाते मानते अपना,
विश्व परमार्थी शुभचिंतक हैं हम।
सनातन के प्रहरीज्!

सब सुखी रहें काया से निरोग रहें,
तन-मन से अपने कर्मरत योग रहें,
प्राणि-मात्र पालक-रक्षक हैं हम।
सनातन के प्रहरीज्!

नहीं कभी किसी का बुरा सोचते हैं,
सदैव सच्चाई की राह पर चलते हैं,
जीवन-मूल्यों के संस्थापक हैं हम।
सनातन के प्रहरीज्!

सच्चिदानंद के शोधी योग प्रणेता,
पंचभूतादि कर्म-फल के तत्ववेत्ता,
वेदों-उपनिषदों के गायक हैं हम।
सनातन के प्रहरीज्!

शिव पिता, शक्ति सबकी माता है,
मनुज स्वयं अपना भाग्यविधाता है,
मन, वचन, कर्म से उद्धारक हैं हम।
सनातन के प्रहरीज्!

महाशिवरात्रि विशेष

सपना सी.पी. साहू

महाशिवरात्रि आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण

सनातनी पंचांग के अंतिम फाल्गुन मास की कृष्णपक्ष की चतुर्दशी तिथि पर पावन महाशिवरात्रि का पर्व आता है। आंग्ल कैलेण्डर के अनुसार महाशिवरात्रि का पर्व फरवरी या मार्च माह में मनाया जाता है। यह प्रमुख रात्रि आदि, अनंत महादेव और उनकी शक्ति पार्वती जी से जुड़ा आध्यात्मिक पर्व है। जिसका शाब्दिक अर्थ शिव की महान रात्रि होता है। जो एक ऐसी वृहद तिथि है जो आध्यात्मिक चेतना को जागृत करती है। वही यह वैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इस दिन विशेष ग्रह नक्षत्रों की युक्ति होने से पृथ्वी के सबसे निकट चंद्रमा के आ जाने से जो गुरूत्वाकर्षण शक्ति बढ़ती है, उससे मानव के अंत:करण की चेतना जागृति और ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

यह महापर्व आध्यात्मिक दृष्टि से भी जागृति की रात्रि है जो मनुष्यों में सकारात्मक शक्ति, ओज, स्फूर्ति व क्षमता को बढ़ाती है। महाशिवरात्रि एक नहीं कई कारणों से अति महत्वपूर्ण पर्व तिथि है। शिव महापुराण के अनुसार धरा पर इसी दिन से शिव जी का पूजन, शिवलिंग के रूप में प्रारंभ हुआ। फिर इसी दिन शिव?-शक्ति विवाह बंधन में भी बंधे। इसमें उनकी गृहस्थी की कलात्मकता का प्रारंभ निहित है। अब, शिव औघड़ नहीं, गृहस्थ हैं। अब, वे युगल दो नहीं एक होकर, एक साथ, एक आसन पर हिम पर्वत की सुंदर चट्टान पर विराजित हैं। वे भोले अब दिगम्बर से बाघम्बर धारी है। तो वह महलों की राजकुमारी, खुले गगन की निवासी है। यह जीवन परिवर्तन संग जीवन के उतार-चढ़ाव में गृहस्थी की सुंदरता का दर्शन है। यह दिव्य युक्ति, संगति और शांति का निरूपण है।

एक अन्य घटना के रूप में, जब समुद्र मंथन से चौदह रत्न निकले तो कालकूट या हलाहल विष भी निकला। जिसके कुप्रभाव से सारा त्रिलोक नष्ट हो जाता और शिव? बिन इस काल लाने वाले विष को कोई अन्य धारण करने में सामर्थ्यवान नहीं था। इसके दुष्प्रभाव को सिर्फ शिव शंकर ही गृहण कर सकते थे क्योंकि, वे आदि और अनंत है। वे ही उस समय संपूर्ण सृष्टि की रक्षा करने में सक्षम थे इसलिए, उन्होंने हलाहल को अपने कंठ में धारण कर, संसार की रक्षा की। वे तभी से सब पर उपकार करने के कारण नीलकंठ महाकाल, देवों के देव महादेव कहलाए। समुद्र मंथन की घटना और हर बारह वर्षो में समान ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति होने से प्रयागराज के कुंभ स्नान महाशिवरात्रि को होता आया है और 2025 के महाकुंभ में भी शिव जी को समर्पित स्नान आयोजित होगा। तत्पश्चात, कुंभ और इस बार तो महाकुंभ का समापन होगा।

यह संबंधित सभी घटनाएं काल परिवर्तन के साथ महाशिवरात्रि पर ही घटित हुई थी। जिनका उल्लेख शिव महापुराण, पद्म पुराण, लिंग पुराण, स्कंद पुराण में भी आता

है। इसलिए, लोग इस तिथि पर शिव-शक्ति की पूजा व व्रत रख सुबह से सम्पूर्ण रात्रि तक उत्सव करते है। इस विशेष दिवस पर महादेव के मंदिरों में जन-जन विशेष पूजन अनुष्ठान करते है, वे शिव लिंग पर जल, दुग्धअभिषेक करने के साथ देवालयों का सुंदर श्रंगार कर भोग, फूल, फल, कदली, मेवा प्रसाद चढ़ाकर शिव-शक्ति से आशीर्वाद में स्वयं के लिए सुख, शांति, समृद्धि, सौभाग्य संग सकल विश्व के कल्याण की कामना करते है। भक्तगण की प्रार्थना होती है जीवन में अंधकार और अज्ञानता से प्रकाश की ओर बढ़े। इसमें रात्रि जागरण महत्वपूर्ण है इसलिए, यह कुल मिलाकर, पूरे दिन और रात्रि का त्योहार है जो प्राकट्य, समर्पण, मानव मात्र के कल्याण, गृहस्थ और ज्ञान का सार को दर्शाता है।

महाशिवरात्रि महादेव से जुड़ा महापर्व है इसे ऋषि, योगी, संत, महात्मा संग-संग गृहस्थ उपासक भी बहुत उत्साह से मनाते है। इस तिथि पर ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धावान भक्त क्षेत्रीय महादेव के मंदिरों से लेकर बारह ज्योतिर्लिंगों में जिनमें सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, केदारेश्वर, भीमाशंकर, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, वैद्यनाथ, नागेश्वर, रामेश्वर, घृष्णेश्वर में दर्शनों के लिए लालायित रहते है। इस दिन विशेष मुहूर्त में पूजन नहीं बल्कि पूरे दिन और रात ही शुभ, मंगलमयी मुहूर्त मान्य होता है। इस वर्ष महाशिवरात्रि 26 फरवरी, 2025 को है। भौतिक विज्ञान के अनुरूप ब्रह्मांड में पदार्थ, ऊर्जा और आकाशगंगाओं सहित हर चीज को एक ऊर्जा के रूप में प्राप्त किया जा सकता है। यह चैतन्यता योगिक रीतियों से संबंधित और बहुत गहरी है। जो योगी जन हैं वे, ब्रह्मांड के साथ स्वयं के एकीकरण को अनुभव करने के लिए आदियोगी शिव का विशेष ध्यान और साधना करते हैं। हर महाशिवरात्रि शिव से जुड़ाव का अद्भुत संयोग देती है। वही आम भक्त भी शिवप्रजा बन शंकर पार्वती के विवाह का आयोजन करते है। वे उपवास रखते है। सभी जन शुद्ध वातारण में शिव को मंत्रों, प्रार्थना, जाप से उद्घोष करते है। वे आध्यात्मिक विकास की यात्रा में बढ़ते है। कुल मिलाकर महाशिवरात्रि के छह मुख्य लक्ष्य हैं, जो विशेष है जिसमें 1. शिव शक्ति की पूजा, मंत्रोच्चार, स्तुति, आरती से आशीष पाना, 2. आध्यात्मिक विकास के लिए ध्यान योग करना, 3. भजन-कीर्तन, व्रत-उपवास करना, 4. तन, मन के पापों से मुक्ति की प्रार्थना, 5. सकारात्मक ऊर्जा का संचार होना, 5. पारिवारीक, सामाजिक, राष्ट्रीय शांति, वैभव, एकता व समरसता के दर्शन होना है।

आध्यात्मिक दृष्टि से शिव सृजन कर्ता, रक्षक और संहारक है और जीवन के अंतिम लक्ष्य मोक्ष प्राप्ति के लिए शिव के ध्यान से आत्मा के निर्मल होने से आत्मा का परमात्मा से मिलन की राह सरल होती है। महाशिवरात्रि त्योहार से बढ़कर साधकों के लिए एक आत्मज्ञान से भरे शांतिपूर्ण जीवन की दिशा बढ़ने की विशिष्ट यात्रा है। हम सभी में शिव समाहित है, यह शिवमय महापर्व सर्व उत्थानमय तथा कल्याणकारी हो यही मंगलकामनाएं। हर-हर महादेव!

महाशिवरात्रि पर्व

आध्यात्मिक जागरण और आत्मशुद्धि का महापर्व : उपमुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए भगवान शिव से सभी के सुख, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि यह पर्व आत्मचिंतन, भक्ति और आत्मशुद्धि का प्रतीक है, जो हमें जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि शिव आराधना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संयम, समर्पण और आत्म-अनुशासन का संदेश देती है। महाशिवरात्रि की यह रात्रि हमें सिखाती है कि अज्ञान और अंधकार को भगवान शिव की भक्ति और सत्य के मार्ग से दूर किया जा सकता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इस अवसर पर शिव साधना के साथ समाज कल्याण, सेवा और परोपकार का संकल्प लें। भगवान शिव सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और प्रदेश को सुख, शांति व समृद्धि प्रदान करें।

नगरों के समग्र विकास के लिये नगरीय निकायों में अपनायी जायेंगी बेस्ट प्रेक्टिस

सिटीज ऑफ टुमारो विषय पर सत्रों में हुई चर्चा

भोपाल (नप्र)। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय कुमार शुक्ला ने आज भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में नगरीय प्रशासन के विशेष सत्र में कहा कि मध्यप्रदेश में देश की उन सभी बेस्ट प्रेक्टिस को अपनाया जायेगा, जिससे मध्यप्रदेश में नागरिकों को बेहतर से बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नगरीय निकायों के आय के स्रोत बढ़ाने के भी प्रयास किये जा रहे हैं। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि नगरीय निकायों में ई-नगरपालिका प्रोजेक्ट को लागू किया जा रहा है।

प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि नगरीय निकायों के सामने अपशिष्ट प्रबंधन एक चुनौती है। इसके लिये जन-भागीदारी को प्रोत्साहित किया जायेगा। सत्र में 2 विषयों सिटीज ऑफ टुमारो और ग्रीन क्लीन लिवबल सिटी पर विषय-विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किये। सिटीज ऑफ टुमारो विषय पर चेयरमेन सन बिल्डर्स एवं प्रेसीडेंट इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर इण्डिया श्री एन.के. पटेल ने कहा कि शहरों के विस्तार के लिये भूमि को रिजर्व में रखना जरूरी है। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड श्री राहुल देहिया, को-फाउण्डर एमडी सिग्नेचर ग्लोबल ग्रुप श्री रवि अग्रवाल ने कहा कि विकसित भारत के लिये नियोजित टाउनशिप होना जरूरी है। टाउनशिप में सभी वर्गों के लोगों को जगह मिले, यह सुनिश्चित हो और वहाँ सभी आवश्यक सुविधाएँ हों। इस व्यवस्था से शहरी क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट पर दबाव कम होगा। निदेशक कॉमर्शियल रियल एस्टेट हीरानंदानी ग्रुप श्री मनीष गुप्ता ने प्रदेश में हाल ही में जारी इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी का स्वागत किया। डीएलएफ के सीनियर एक्जीक्यूटिव श्री राजीव सिंह ने उत्कृष्ट शहरी नियोजन को महत्वपूर्ण बताया। क्रेडाई एमपी चेप्टर के अध्यक्ष श्री मनोज सिंह मीक ने राजा भोज द्वारा बसाये गये भोपाल और यहाँ के बड़े तालाब की विशेषताओं की जानकारी दी। वर्ल्ड बैंक के कंट्री हेड श्री अगस्तो तानो कामो ने आने वाले समय में शहरों के नागरिकों को बुनियादी सुविधा देने के काम को चुनौतीपूर्ण माना। उन्होंने कहा कि इसके लिये अभी से ही सभी एजेंसियाँ मिलकर काम करें। बोस्टन ग्रुप के श्री आशीष गर्ग, आईआईएफसीएल के श्री पलाश श्रीवास्तव और अशोक बिल्डकान के श्री सतीश डी. प्रकाश ने भी विचार रखे।

ग्रीन क्लीन लिवबल सिटीज विषय पर चर्चा- दूसरे सत्र में हरे-भरे शहर विषय पर विशेषज्ञों ने विचार रखे। विशेषज्ञों का मानना था कि नगरीय निकाय शहरों को हरा-भरा रखने और पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिये नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करें। इसी तरह अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ जल व्यवस्था में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना चाहिये। इस संबंध में नगरीय प्रशासन आयुक्त श्री सी.बी. चक्रवर्ती एम., प्रो. वी. श्रीनिवास चेरी, श्री आनंद अय्यर, श्री आला अयोध्या, श्रीमती समिथा आर. और डॉ. के.वी. जार्ज ने भी अपने विचार रखे।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025

ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य होगा : मनु श्रीवास्तव

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत आगामी वर्ष-2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष हरित हाइड्रोजन के उत्पादन का लक्ष्य सुनिश्चित किया गया है। ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में निवेशकों के साथ राउंड टेबल चर्चा के दौरान अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों की पंक्ति में होगा। उन्होंने निवेशकों के साथ राउंड टेबल के दौरान राज्य शासन द्वारा उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं जैसे भूमि, प्रदेश में पर्याप्त बिजली, अनुकूल एवं भौगोलिक संरचना से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि राज्य में प्रचुर नवकरणीय ऊर्जा संसाधन, सहायक नीतिगत ढाँचा हरित हाइड्रोजन परियोजना के लिये अनुकूल माहौल तैयार करता है।

चर्चा के दौरान निवेशकों द्वारा पूछे गये सवालों एवं जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

ऊर्जा के वैकल्पिक माध्यमों में से ग्रीन हाइड्रोजन के अलावा अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश शासन की अक्षय ऊर्जा नीति 2022 का उद्देश्य अक्षय ऊर्जा उपकरण निर्माण के लिए अनुकूल पारिस्थितिकीय क्षेत्र बनकर और अक्षय ऊर्जा को बड़े पैमाने पर अपनाने की सुविधा प्रदान करके राज्य को अक्षय ऊर्जा केन्द्र के रूप में स्थापित करना है। इसमें भूमि अधिग्रहण लागत पर 50 प्रतिशत छूट और अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नामित निजी भूमि खरीदी पर स्टॉम्प शुल्क पर 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति राशि प्रोत्साहन स्वरूप शासन द्वारा प्रदान की जाती है।

अपर मुख्य सचिव श्री श्रीवास्तव ने बताया कि सीईओ गोलमेज सम्मेलन में प्राप्त सिफारिशें एवं सुझाव मध्यप्रदेश की भविष्य की ऊर्जा नीति एवं रणनीतियों को बनाने में नया स्वरूप प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। राज्य की हरित हाइड्रोजन क्षमता को साकार करने और भारत के सतत ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान देने में उद्योगपतियों, अधिकारियों एवं वित्तीय हितधारकों का सहयोग आवश्यक है।

ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री अमनवीर सिंह बैंस ने कहा कि मध्यप्रदेश हरित ऊर्जा निवेश के लिये तेजी से एक अनुकूल राज्य के रूप में उभर रहा है। पिछले 10 वर्षों में राज्य की अक्षय ऊर्जा क्षमता में 11 गुना वृद्धि हुई है, जो इसकी कुल स्थापित बिजली क्षमता का कुल 24 प्रतिशत है।

मंडी में भाव 3100 रुपये पार, 175 रुपये प्रति क्विंटल वृद्धि के बाद भी पंजीयन कम

4 साल में घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो गई गेहूं की सरकारी खरीदी, इस साल भी संशय

संजय द्विवेदी, बैतूल। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का आंकड़ा लगातार घटते जा रहा है। पिछले चार साल यानि वर्ष 2021-22 के आंकड़ों पर नजर डाली जाए, तो गत वर्ष गेहूं की सरकारी खरीदी 10 प्रतिशत से भी कम रही है। साल 2021-22 में कुल 1,70,296 टन गेहूं की खरीदी हुई थी, जो गत वर्ष घटकर महज 12750 टन रह गई। इस वर्ष अब तक हुए पंजीयन से गेहूं की सरकारी खरीदी पर संशय की ही स्थिति है। वहीं ठंड कम होने से उत्पादन पर भी प्रभाव पडने की आशंका है। इसके चलते अभी से मंडी में तथा खुले बाजार में गेहूं के भाव 3100 रुपए प्रति क्विंटल से अधिक हो चुके हैं। इस बार सरकार ने गत वर्ष की तुलना में गेहूं खरीदी के भाव प्रति क्विंटल 150 रुपए बढ़ाए हैं। बावजूद इसके अब तक अपेक्षित पंजीयन नहीं हुए हैं। पिछले साल से ही तुलना की जाए, तो इस बार करीब 6 हजार हेक्टेयर रकबा बढ़ा है, जबकि पिछले साल गेहूं का रकबा 2 लाख 94 हजार था। रकबा बढने के बावजूद भी खुले बाजार में गेहूं के भाव तेज चल रहे हैं। यही स्थिति रही तो यह लगातार चौथा साल होगा, जब सरकार के भंडार नहीं भर पाएंगे। जिले में पीडीएस का गेहूं बांटने के लिए अन्य जिलों पर आश्रित रहना पड़ेगा।

3 लाख 1 हजार हेक्टेयर में हुई है गेहूं की बोवनी ....- कृषि विभाग द्वारा इस रबी सीजन में जिले में 2 लाख 96 हजार हेक्टेयर में गेहूं की बोवनी का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन जिले में लक्ष्य से अधिक गेहूं की बुआई हुई है। कृषि विभाग के उप संचालक आनंद बडोनिया ने बताया कि इस साल बारिश अच्छी होने और सिंचाई के संसाधन बढने से जिले में करीब 3 लाख 1 हजार हेक्टेयर में किसानों ने गेहूं

की बुआई की है। जबकि गत वर्ष करीब 2 लाख 94 हजार हेक्टेयर में गेहूं लगाया गया था। गत वर्ष चना का रकबा 54.829 हेक्टेयर, मसूर 0.168 हेक्टेयर, मटर 1.006 हेक्टेयर, सरसो 13.730 हेक्टेयर, अलसी 0.019 हेक्टेयर, गन्ना 21.870 हेक्टेयर था, जो इस साल बढ?र करीब कुल 3 लाख 88 हजार 750 हेक्टेयर हो गया है।

समर्थन से ज्यादा मंडी और खुले बाजार में है भाव- वर्तमान में मंडी में गेहूं की आवक जारी है। वहीं इस वर्ष के समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल से मंडी में भाव ज्यादा चल रहे हैं। शनिवार को मंडी में गेहूं के न्यूनतम भाव 2800 रुपए प्रति क्विंटल से अधिकतम भाव 3100 रुपए प्रति क्विंटल तक रहा। जिले में 72 खरीदी केंद्रों के माध्यम से इस साल गेहूं की खरीदी की जायेगी। किसान सोसायटी और कियोस्क सेंटर, दोनों जगहों से पंजीयन करा सकते हैं। किसानों को उनके आधार से लिंक बैंक खातों में सीधे भुगतान किया जाएगा। किसान 31 मार्च 2025 तक पंजीयन करा सकते हैं। यहां उल्लेखनीय है कि इस साल मुख्यमंत्री ने 175 रूपये बोनस देने की भी घोषणा की है। घोषणा के बाद किसान पंजीयन कराने जरूर पहुंच रहे है, लेकिन उपज बेचने कम ही किसान केन्द्र में पहुंचते है।

इस साल लक्ष्य के मुताबिक खरीदी पर संशय, बाहर से बुलाना पड़ सकता है गेहूं - जिले में 660 राशन दुकानों पर करीब 3,09,448 परिवारों के 12 लाख 92 हजार 122 सदस्यों को शासन की योजना अंतर्गत गेहूं का वितरण किया जाता है। इन राशन कार्डधारियों को शासन गेहूं, चावल सहित अन्य खाद्यान्न देती है। लेकिन इस साल समर्थन मूल्य में गेहूं खरीदी पर संशय बना हुआ है, क्योंकि अभी तक जिले में करीब 1450 किसानों ने ही पंजीयन कराया है। पंजीयन कम होंगे, तो खरीदी भी कम ही होगी, इसके चलते बाहर से गेहूं बुलाना पड़ सकता है। गत वर्ष महज 1926 किसानों ने ही अपना गेहूं समर्थन मूल्य पर बेचा था। इस बार भी लक्ष्य के बराबर खरीदी पर संशय बना हुआ है।

साल दर साल कम होते जा रही खरीदी- जिले में समर्थन मूल्य पर खरीदी को किसानों का समर्थन नहीं मिल पा रहा है। विगत 2021-22 से 2024-25 तक के आंकड़ों पर नजर डाली जाये, तो हर साल गेहूं खरीदी का आंकड़ा नीचे आ रहा है। 2021-22 में समर्थन मूल्य में 170296 टन गेहूं खरीदी था, जिसके बाद 2022-23 में 4410 टन, 2023-24 में 19970 टन और 2024-25 में 12750 टन गेहूं की खरीदी हुई। जिसके पीछे कारण यह बताया जा रहा है कि खुले बाजार में गेहूं के भाव समर्थन मूल्य से अधिक मिलते हैं और किसान को उपज का भुगतान तुरंत ही मिल जाता है। समर्थन मूल्य पर भुगतान मिलने में 15 दिन से 1 महीने तक का समय लग जाता है। खाते में भुगतान होने पर ऋण में राशि समायोजित होने की समस्या भी आती है।

इनका कहना है -- बहुत से किसान पंजीयन तो कराते है, लेकिन उपज लेकर कम ही किसान केन्द्र पहुंचते है, क्योंकि बाजार और मंडी में अधिक भाव मिलने तथा तुरंत भुगतान हो जाने के कारण किसान अपनी उपज बेच देते है। इस साल सरकार ने 175 रुपये बोनस देने की भी घोषणा की है।

- कृष्ण कुमार टेकाम, जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी, बैतूल

श्री नागेश्वर कपाली महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि महापर्व पर 3 दिवसीय आकर्षक श्रृंगार एवं महाप्रसादी

धार। शहर की क्वींस पार्क कालोनी में स्थित प्रसिद्ध श्री नागेश्वर कपाली महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि महापर्व पर 3 दिवसीय आकर्षक श्रृंगार एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया है। मंदिर के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती महोत्सव मनाया जा रहा है । श्री नागेश्वर कपाली महादेव मंदिर क्वींस पार्क कालोनी , धार के भक्त मंडल एवं आयोजकों ने धर्मप्रेमी जनता से अधिक से अधिक संख्या में पधार कर आकर्षक श्रृंगार दर्शन एवं महाप्रसादी का लाभ लेने का आग्रह किया है।

उत्कृष्ट सेवा और अपनत्व के लिए धार शहर का प्रसिद्ध होटल नटराज एवं रूद्राक्ष इन

धार । उत्कृष्ट सेवा और अपनत्व के लिए धार शहरवासियों की पहली पसंद प्रसिद्ध होटल नटराज एवं रूद्राक्ष- इन 25 फरवरी को अपनी वर्षगांठ मना रहा है। 19 बरस पहले आज ही के दिन होटल नटराज की स्थापना हुई थी। ग्राहकों की संतुष्टि और शहरवासियों की पहली पसंद बना होटल नटराज की इस उपलब्धि से होटल नटराज परिवार गदगद है। नटराज होटल की सफलता से उत्साहित होकर 25 फरवरी आज ही के दिन 2015 में रुद्राक्ष -इन होटल की स्थापना की गई। 10 वर्षों के सफर में आज रुद्राक्ष - इन होटल धार शहरवासियों की पसंद बन गया है। नटराज और रूद्राक्ष- इन परिवार के रमेश जोशी, भवानी जोशी , प्रकाश जोशी, ईश्वर जोशी , गौरव जोशी ने धार शहरवासियों का अभिनंदन करते हुए आभार प्रकट करते हुए कहा कि होटल नटराज, होटल रूद्राक्ष - इन आप सबकी उम्मीदों और भरोसे पर हमेशा खरा उतरेगा।

किसानों को भुगतान न होने से परेशान हो रहे सहकारी समिति कर्मचारी, कलेक्टर से की शिकायत

वेतन विसंगति, उपार्जन कमीशन और किसानों की लंबित राशि पर कर्मचारियों का फूटा गुस्सा

बैतूल। जिले में उपार्जन को लेकर सहकारी समिति कर्मचारियों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। वेतन विसंगति, उपार्जन का कमीशन और किसानों की बकाया राशि के भुगतान में देरी जैसी समस्याओं को लेकर मंगलवार 25 फरवरी को कोऑपरेटिव कर्मचारी संघ बैतूल और मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ के तत्वावधान में कर्मचारियों ने कलेक्टर बैतूल, सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक (सीसीबी), फूड डिपार्टमेंट के अधिकारियों और उप पंजीयक (डीआर) बैतूल को भी ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों का कहना है कि उपार्जन कार्य में लगे कर्मचारियों को अभी तक उचित भुगतान नहीं मिला है। वहीं, किसानों की उपार्जन राशि भी अब तक उनके खातों में नहीं पहुंची है, जिससे किसान सहकारी समितियों के कर्मचारियों पर दबाव बना रहे हैं। किसान अपने पैसों के लिए लगातार समितियों के कर्मचारियों से सवाल कर रहे हैं, लेकिन कर्मचारियों के पास इसका कोई जवाब नहीं है क्योंकि भुगतान प्रक्रिया में देरी हो रही है।

कोऑपरेटिव कर्मचारी संघ बैतूल के अध्यक्ष अशोक देशमुख ने बताया कि अब तक किसानों का करीब 37 करोड़ और सहकारी समितियों का उपार्जन कमीशन 1 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है। इस देरी के कारण किसानों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं समितियों के कर्मचारियों को भी अपने मेहनताने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ज्ञापन सौंपने के बाद कलेक्टर बैतूल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत उपार्जन एजेंसी के अधिकारियों को बुलाया और समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों को जल्द से जल्द उनकी राशि उपलब्ध कराई जाएगी और कर्मचारियों की वेतन विसंगति व उपार्जन कमीशन से जुड़ी समस्याओं को भी प्राथमिकता से हल किया जाएगा। इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों में कोऑपरेटिव कर्मचारी संघ बैतूल के जिलाध्यक्ष अशोक देशमुख, मध्यप्रदेश सहकारी कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष अरुण अडलक, जिला उपाध्यक्ष धर्मराज धोटे, गणेश लहरपुरे, अरुण चौधरी, समीर पाठक, निखिल आर्य और बलवीर मालवी प्रमुख रूप से शामिल रहे। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि किसानों की राशि तत्काल उनके खातों में डाली जाए, उपार्जन से जुड़े कर्मचारियों को समय पर भुगतान मिले और वेतन विसंगतियों को दूर किया जाए।

एमसीयू में लगी प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता पंकज त्रिपाठी की मास्टर क्लास

संवेदनशील पत्रकार समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता पंकज त्रिपाठी की मास्टर क्लास लगी। माखनपुरम बिशनखेडी परिसर के खचाखच भरे गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में उन्होंने अपने फिल्मी संघर्ष और सफर के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान वे एक बार भावुक भी हुए । 'द एक्सपर्ट शॉट्स' विषय पर आयोजित मास्टर क्लास में विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, प्रमुख सचिव पर्यटन शिवशेखर शुक्ला विशेष रुप से उपस्थित थे। संचालन निदेशक प्रोडक्शन डॉ. आशीष जोशी द्वारा किया गया।

एमसीयू एवं मध्यप्रदेश टूरिज्म के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित मास्टर क्लास 'द एक्सपर्ट शो' में प्रसिद्ध वॉयस ओवर आर्टिस्ट विजय विक्रम सिंह ने पंकज त्रिपाठी से कई रोचक सवाल किए। दोनों दिग्गजों ने अपने अनुभव साझा किए साथ ही विद्यार्थियों को मोटिवेट भी किया। पंकज त्रिपाठी ने पत्रकारिता के विद्यार्थियों से कहा कि जब वे इस क्षेत्र में कदम रखें तो टैलेंटेड लोगों पर जरूर लिखें और उनकी कहानियों को सामने लाएं। उन्होंने कहा कि टैलेंट को पहचानें और उसे उजागर करें। पत्रकारिता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि एक संवेदनशील पत्रकार समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। टॉक शो के दौरान पंकज त्रिपाठी

भावुक भी नजर आए। उन्होंने एक पुरानी पत्रिका का जिक्र करते हुए कहा कि अब वह दुनिया में नहीं है, लेकिन उसने समाज पर गहरा प्रभाव छोड़ा। उन्होंने कहा कि मेरी यात्रा आपको प्रेरित कर सकती है, लेकिन मेरी गाड़ियां नहीं। इसके साथ ही उन्होंने अभिनय के आध्यात्मिक पहलू को समझाने की कोशिश करते हुए कहा कि अगर कोई अपने माध्यम को सही से समझे तो एक्टिंग भी एक आध्यात्मिक अनुभव बन सकती है । श्री त्रिपाठी ने योग और किताबों की महत्ता पर जोर दिया और योग के महत्व पर भी चर्चा की और कहा कि योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना बेहद जरूरी है । उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को किताबें पढ़ने को कहा । मध्यप्रदेश के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त करते हुए श्री त्रिपाठी ने कहा कि यहां के लोग बेहद अच्छे हैं और यहां का माहौल भी बहुत सकारात्मक है । मास्टर क्लास में श्री त्रिपाठी से विद्यार्थियों ने कई सवाल पूछे, जिनका उन्होंने बखूबी जवाब दिया । मास्टर क्लास में विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।मुख्यमंत्री ने अभिनेता और मध्यप्रदेश टूरिज्म के ब्रांड एम्बेसडर श्री पंकज त्रिपाठी का अंगवस्त्रम ओढ़ाकर स्वागत किया।

उज्जैन में बनेगा एयरपोर्ट : केन्द्रीय उड्यन मंत्री नायडू

शहरों का ट्रांजिट ओरिएंटेड डेव्हलपमेंट होगा : नगरीय विकास मंत्री विजयवर्गीय

भोपाल (नप्र)। शहरों का ट्रांजिट ओरिएंटेड डेव्हलपमेंट किया जाएगा। शहरों में सुव्यवस्थित ट्राफिक के लिये अंडरब्रिज बनाने पर विचार किया जाएगा। नगरों के विकास के लिये बनाई गई पॉलिसी में आपके सुझावों पर जरूरी परिवर्तन किये जाएंगे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने यह बात ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2025 के अर्बन डेव्हलपमेंट सेशन में कही। केन्द्रीय नागरिक उड्यन मंत्री श्री के. राम मोहन नायडू ने कहा कि उज्जैन में एयरपोर्ट बनाया जाएगा। पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायतों के नियम-कानूनों की शहरी विकास के कानूनों से समानता होनी चाहिए। श्रम कानूनों में सुधार होगा, जिससे उद्योगपति और श्रमिक के बीच टकराव की स्थिति नहीं बनेगी। अतिथियों ने एमपी ईवी तरंग पोर्टल को लांच किया।

एमओयू में हुए शामिल- शहरों में विमान सेवाओं के उद्देश्य से पाँच कम्पनियों के साथ एमओयू हुए। एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ अंतर्राष्ट्रीय रूट इंदौर से आबुधाबी और इंदौर से बैंकॉक और घरेलू रूट इंदौर से पटना, इंदौर से कोच्ची एवं इंदौर से वाराणसी के लिये विमान सेवाएं शुरू करने के लिये एमओयू हुआ। फ्रेंकफिन कम्पनी के साथ मध्यप्रदेश में 5 एविएशन एकेडमी शुरू करने के लिये एमओयू हुआ। इसमें 6 से 7 हजार लोगों को रोजगार मिलना संभावित है। फ्लाई भारती के साथ उज्जैन में एयरपोर्ट डेव्हलपमेंट के लिये एमओयू हुआ। इसमें 750 करोड़ रूपये का निवेश होगा। कंपनी प्रधान एयर के साथ

उज्जैन में और राज्य के भीतर हवाई सेवाएं शुरू करने के लिये एमओयू हुआ। इसमें 150 करोड़ रूपये का निवेश होगा। इन एविया एविएशन कंसलटेंट जीएमबीएच के साथ भोपाल में मेंटीनेंस रिपेयर एण्ड ऑपरेशन (एमआरओ) की स्थापना के लिये एमओयू हुआ। इसमें प्रथम चरण में 500 करोड़ रूपये के निवेश की संभावना है। एक एमओयू एडिमिनिस्ट्रेटिव स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया के ट्रेनिंग इन्स्ट्रीट्यूट के साथ नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने किया है। इसमें विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की ट्रेनिंग होगी।

जनभागीदारी शहर के विकास का अहम हिस्सा- मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि जनभागीदारी शहर के विकास का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इंदौर शहर के नागरिकों की तरह स्वच्छता को संस्कार में शामिल करना होगा। उन्होंने बताया कि इंदौर को क्लीन सिटी के साथ ही ग्रीन सिटी बनाया जाएगा। इंदौर में आगामी 5 साल में ढाई करोड़ पौधे लगाकर तापमान 4 डिग्री तक कम करने का लक्ष्य है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि ऐसी पॉलिसियाँ बनाई जा रही है कि शहर का विकास हो, प्रदेश का विकास हो और निवेशक का भी विकास हों। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि केन्द्र ने एक लाख करोड़ रूपये का ट्रस्ट फंड बनाया है। इस राशि का उपयोग मध्यप्रदेश में शहरों के सुनियोजित विकास के लिये अच्छी योजना बनाकर किया जायेगा। इसके लिये हमारा विभाग केन्द्र से पर्याप्त राशि लाने के लिये ठोस प्रयास करेगा।

सिविल एविएशन हब के रूप में विकसित होगा मध्यप्रदेश- केन्द्रीय नागरिक उड्यन मंत्री श्री नायडू ने कहा कि मध्यप्रदेश सिविल एविएशन हब के रूप में विकसित होगा। मध्यप्रदेश में प्रशिक्षण संस्थान खोलने की अनुकूल परिस्थितियां है। मध्यप्रदेश में एयरो स्पोर्टस शुरू किये जा सकते है। प्रयागराज में लगे महाकुंभ की तरह भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों का महाकुंभ आयोजित कर अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने निवेश के लिये मध्यप्रदेश द्वारा बनाई गई नई नीतियों की सराहना की। देश के कोने-कोने को एयर ट्रैफिक से जोड़ेंगे। हर 100 किमी में एयर पोर्ट बनाने का लक्ष्य है। एयरपोर्ट बनाने के लिये जहां जगह कम होगी, वहां हेलीपोड बनायें जाएंगे।

सत्र में प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय कुमार शुक्ला ने डेव्हलपिंग सिंटीज ऑफ टुमॉरो के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। आयुक्त नगरीय विकास एवं आवास श्री सिबि चक्रवर्ती ने ग्रीन क्लीन लीवेबल सिटीज के संबंध में प्रेजेन्टेशन दिया। डायरेक्टर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स डॉ. डेबोलिना कुंडू ने बताया कि 2054 तक 50 प्रतिशत से अधिक आबादी शहरी हो जाएगी। इसलिये अभी से शहरों के समुचित विकास की ओर ध्यान देना जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप सत्र को किया संबोधित

उद्योगों के विकास से ही बढ़ेंगे रोजगार के अवसर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। दो दिवसीय ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के दूसरे दिन सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम तथा स्टार्ट-अप समिट सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी का अभिवादन करते हुए संबोधन में कहा कि यह दो दिवसीय समिट सकारात्मक भावना और योजनाबद्ध तरीके से आयोजित की गई है। संभागवार रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन कर हमने प्रदेश में एक सकारात्मक औद्योगिक वातावरण तैयार करने का प्रयास किया है। जिससे व्यापक संवाद हुआ है, और इसके उत्साहजनक परिणाम एमएसएमई क्षेत्र में देखने को मिले है। उन्होंने कहा कि उद्योग और निवेश को प्रोत्साहित किए बिना आर्थिक आधार मजबूत नहीं हो सकता। उद्योगों के विकास से ही रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और प्रदेश समृद्ध होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र बहुत विस्तृत है और इससे नई संभावनाओं के द्वार खुले है। उन्होंने प्रदेश के मंत्री श्री चैतन्य काश्यप की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में लागू की गई नई एमएसएमई नीति में सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को समाहित किया गया है, जिससे यह क्षेत्र और अधिक सशक्त बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि समिट के अंत में जब आंकड़े आएंगे तब तक यह स्पष्ट हो जाएगा कि एमएसएमई सेक्टर को अभूतपूर्व उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार जो भी कमिटमेंट कर रही है और जिस पारदर्शिता के साथ नीतियों को लागू कर रही है, वह प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने एमएसएमई विभाग की सराहना की और कहा कि सरकार की नीतियां स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब उड़ान भरने के लिए पूरी तरह तैयार है। हमारी सरकार और उद्यमी मिलकर सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव और उद्योग जगत के सभी साथियों का अभिनंदन किया। उन्होंने बताया कि सरकार ने उद्यमियों के प्री-प्रोडक्शन से पोस्ट-प्रोडक्शन तक की हर प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए नई 18 नीतियां लागू की हैं। भूमि आवंटन प्रक्रिया को भी सरल किया गया है ताकि उद्यमियों को सरकारी सुविधाओं का लाभ आसानी से और निश्चित समय में मिले। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि सरकार उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के दो मुख्य लक्ष्यों पर कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि यदि नई नीतियों की आवश्यकता हुई तो सरकार उद्यमियों के साथ पूरी पारदर्शिता से काम कर उसे भी लागू करेगी। उन्होंने समिट से प्रदेश के सुनहरे भविष्य की कल्पना करते हुए कहा कि नवाचारों और निवेश से लाखों रोजगार सृजित होंगे, इससे देश विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

सत्र के आरंभ अवसर पर एमएसएमई सचिव श्रीमती प्रियंका दास द्वारा एमएसएमई और स्टार्ट-अप इको सिस्टम के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी।

एमएसएमई मंत्रालय भारत सरकार की अपर विकास आयुक्त सुश्री अश्विनी लाल ने बताया कि एमएसएमई सेक्टर के माध्यम से ग्रामीण, शहरी और हैंडीक्राफ्ट उत्पादों को वैश्विक पहचान मिल रही है। उन्होंने कहा कि स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स के जरिए युवाओं को आंत्रप्रेन्योरशिप के लिए तैयार किया जा रहा है।

उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों ने की मध्यप्रदेश सरकार की नीतियों की सराहना- एसएवी, दुबई की फाउंडर सुश्री पूर्वी मुनोट ने कहा कि एमपी सरकार ने उद्योगों और युवाओं के लिए सकारात्मक परिवेश तैयार किया है। राज्य एआई, ग्रीन एनर्जी और लॉजिस्टिक सप्लाई चेन के माध्यम से ग्लोबल हब बन रहा है।

इन एंड ब्रेडस्ट्रीट, मुंबई के एमडी व सीईओ श्री अविनाश गुप्ता ने कहा कि नवाचारों से भारत जल्द ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। एशियाई विकास बैंक की डिप्टी कंट्री डायरेक्टर सुश्री आरती मेहरा ने कृषि, ऑर्गेनिक फार्मिंग और उद्यमियों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता की प्रशंसा की।

नेशनल एमएसएमई बोर्ड के चेयरमैन श्री सुनील ने एमपी सरकार की 18 नई नीतियों को सराहा और कहा कि यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में सहायक होंगी।

सत्र के अंत में स्टार्ट-अप और इको सिस्टम पर आधारित शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश सरकार की उपलब्धियों और आसान नीतियों को दर्शाया गया। सत्र में अन्य उद्योगपति एवं विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

पचास से अधिक देशों में होगा 'विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिन्दी ओलम्पियाड

विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2025 के पोस्टर का एक भव्य समारोह में हुआ अनावरण

भोपाल। भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति के साथ-साथ हिंदी भाषा को संपूर्ण विश्व में लोकप्रियता बनाने की पहल के तहत विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलिंपियाड 2025 का आयोजन 50 से अधिक देशों में विश्व रंग फाउंडेशन, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल (भारत), विश्व हिंदी सचिवालय (मॉरीशस) के संयुक्त तत्वावधान में तथा टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र सहित विश्व की एक हजार संस्थाओं के सहयोग से '14 सितंबर हिंदी दिवस से 30 सितंबर 2025 विश्व अनुवाद दिवस' तक आयोजित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित हुए समारोह में विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलिंपियाड 2025 के पोस्टर का अनावरण स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में वरिष्ठ साहित्यकार ममता कालिया, विश्वरंग के निदेशक और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के चांसलर संतोष चौबे, वरिष्ठ कवि लीलाधर मंडलोई, जितेन्द्र श्रीवास्तव, निरंजन श्रोत्रिय, मुकेश वर्मा, बलराम गुमास्ता, नीलेश रघुवंशी, महेश वर्मा, वाजदा खान, नंदकिशोर आचार्य, ए. अरविंदाक्षन, महेश दर्पण, मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव, रामकुमार तिवारी एवं आस्ट्रेलिया से प्रगीत कुँवर एवं भावना कुँवर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इसके अलावा हिंदी को विश्व पटल पर स्थापित करने के इस अभियान को जन जन तक पहुंचाने के लिए विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलिंपियाड के पोस्टर को देश के विभिन्न राज्यों के पांच हजार से अधिक स्थानों पर माननीय राज्यपाल महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय, केन्द्र एवं राज्य सरकारों के मंत्रीगणों, कुलपति (केन्द्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालय), राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम आदि) माननीय सांसद महोदय, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त स्कूल शिक्षा, जिला शिक्षा अधिकारी एवं कलेक्टर/सीओ, माननीय विधायकगण, स्कूल/कॉलेज के प्रिंसिपल, सरपंच/पंच एवं वार्ड प्रतिनिधि, साहित्यकार एवं कलाकार एवं विशिष्ट क्षेत्र के शीर्षस्थ व्यक्तियों द्वारा पोस्टर का अनावरण किया जा रहा है।

इस संबंध में बात करते हुए विश्वरंग के निदेशक संतोष चौबे ने कहा कि भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति के साथ-साथ हिंदी भाषा ने संपूर्ण विश्व में लोकप्रियता के नए आयाम गढ़े हैं। विदेशों में भारतीय कला, साहित्य, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को जानने तथा इसके लिए हिंदी भाषा सीखने वालों की संख्या काफी बढ़ी है। यह बहुत सुखद है कि हिंदी वैश्विक स्तर पर रोजगारमूलक भाषा के रूप में भी स्थापित हो रही है। वैश्विक स्तर पर साहित्य, कला और संस्कृति के लिए समर्पित 'विश्वरंग' महोत्सव ने अपने छह संस्करणों में हिंदी और भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में वैश्विक नई जमीन तैयार की है। इसी दिशा में एक कदम आगे बढ़ने हुए अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड की पहल की गई है।

एमओयू का फिगर बताने की बजाय जमीन पर उतारे जीआईएस को : कांग्रेस

शिवराज सरकार का कनवर्शन मात्र 3 फीसदी जबकि कमलनाथ सरकार का 11.5 फीसदी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस के विचार विभाग के अध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने भोपाल के जीआईएस आयोजन को इवेंट की चकाचौंध में भटकता आयोजन बताया।

गुप्ता ने कहा कि शिवराज सिंह की भाजपा सरकार के दौरान हुई तीन जीआईएस अपने लक्ष्य में असफल सिद्ध हुईं थीं।25 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों के मुकाबले मात्र 78 हजार 862 करोड़ का निवेश ही जमीन पर उतर सका था यानि मात्र 3 फीसदी हालंकि शासकीय योजनाओं को भी इस निवेश में जोड़कर इस आंकडे को बढ़-चढ़ाकर बताया गया था।जबकि कमलनाथ सरकार के 15 महीने में 74 हजार करोड़ के प्रस्तावों में 8450 करोड़ का निवेश हुआ यानि साढ़े ग्यारह फीसदी वह भी निजी निवेश जिनमें सिपला, अजंता फार्मा,पार फार्मा, मेक्लायड,श्री राम डीसीएम, इंडिया सीमेंट, पीएन जी जैसी कंपनियां शामिल थीं।

गुप्ता ने कहा कि मोहन यादव के गंभीर प्रयास तभी फलीभूत होंगे । उन्हें एनटीपीसी,एनएचएआई,पावर फाईनेंस कारपोरेशन जैसी सरकारी योजनाओं को निवेश के रूप में दिखाने से बचकर शिवराज सिंह से बड़ी लाईन खीचेंगे और जमीनी निवेश को 10 फीसद से ऊपर लायेंगे।

गुप्ता ने कहा कि प्रदेश की सार्वजनिक संपत्तियों की विक्री जारी है और लगभग 1134 करोड़ की संपत्ति बेची जा चुकी है ,प्रदेश को चलाने के लिये निरंतर कर्ज उठाना पड़ रहा है। ऐसे वातावरण में मुख्यमंत्री के प्रयास सफल हों इसके लिये आवश्यक है कि हरा-हरा दिखाने वाले नौकरशाहों से बचकर अपने मौलिक दृष्टिकोण को सामने लायें।तथा निवेश क्षेत्रों की प्राथमिकता तय करना परिणाम मूलक होगा।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण परियोजना में एम्स के डॉ. चौधरी ने बाल रोग विशेषज्ञों को प्रशिक्षित किया

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। हाल ही में, डॉ. नरेंद्र चौधरी, अतिरिक्त प्रोफेसर एवं पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजिस्ट ऑन्कोलॉजिस्ट, ने श्याम शाह मेडिकल कॉलेज, रीवा में राष्ट्रीय प्रशिक्षण परियोजना (नेशनल ट्रेनिंग प्रोजेक्ट) के तहत बाल रोग विशेषज्ञों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्रों का नेतृत्व किया। इन सत्रों में मस्तिष्क ट्यूमर, छाती में पाई जाने वाली गांठें (चेस्ट मास्सेस) और बच्चों में कैंसर के उपचार के दौरान रक्त आधान (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) से जुड़ी भ्रांतियों एवं तथ्यों पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण के दौरान, डॉ. चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक निदान और समय पर रेफरल, साथ ही बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजिस्ट, विकिरण ऑन्कोलॉजिस्ट और न्यूरोसर्जनों के बीच समन्वय, मस्तिष्क ट्यूमर के प्रभावी प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कई मस्तिष्क ट्यूमर में सर्जरी के साथ-साथ कीमोथेरेपी की भी आवश्यकता होती है ताकि उपचार की संभावना बेहतर हो सके। कुछ ट्यूमर, जैसे कि मस्तिष्क में जर्म सेल ट्यूमर, उपयुक्त कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी के माध्यम से बिना सर्जरी के भी ठीक किए जा सकते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बेहतर उपचार परिणामों के लिए न केवल आम जनता बल्कि रेफर करने वाले डॉक्टरों के बीच भी जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। इस कार्यशाला में एक ऑनलाइन क्विज भी शामिल था, जिसे गेम-आधारित प्रारूप में प्रस्तुत किया गया था और इसे प्रतिभागियों ने अत्यधिक सराहा। इस प्रशिक्षण में 50 से अधिक डॉक्टरों ने भाग लिया, जिससे बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में उनके ज्ञान और कौशल में वृद्धि हुई। प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने डॉ. नरेंद्र चौधरी को उनके समर्पण और इस महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रशिक्षण में योगदान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा- ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम बाल चिकित्सा कैंसर देखभाल को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि ये डॉक्टरों को आवश्यक कौशल और ज्ञान से सुसज्जित करते हैं। एम्स भोपाल चिकित्सा शिक्षा और आउटरी कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे स्वास्थ्य सेवा के मानकों में सुधार हो सके।

बेटे भाग्य से और बेटियां सौभाग्य से मिलती हैं: सीएम

उदाहरण/सामूहिक विवाह में 792 जोड़े हिंदू और 198 जोड़े मुस्लिम रीति-रिवाज से परिणय सूत्र में बंधे

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे लिए यह सुखद अहसास है कि आज आष्टा की पावन धरा पर मुख्यमंत्री कन्या विवाहा और निकाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम में एक साथ 990 बेटियां दुल्हन बनी हैं। इनमें 792 जोड़े हिंदू और 198 जोड़े मुस्लिम रीति-रिवाज से परिणय सूत्र में बंधे हैं, यह सामाजिक समरसता का आदर्श उदाहरण है। शादी के बंधन में बंधने वाले 2 जोड़े कल्याणी विवाह योजना एवं 2 जोड़े निशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना के थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आष्टा सीहोर में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री निवास, भोपाल से वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने को आष्टा में हुए सामूहिक विवाह कार्यक्रम के आयोजकों को बधाई एवं विवाहित दंपतियों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश निरंतर प्रगति कर रहा

है। राज्य सरकार भी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ प्रदेश को समृद्ध बनाने के लिए नीतियों का क्रियान्वयन कर रही है। प्रदेश में योजना के अंतर्गत 19 हजार से अधिक कन्याओं के विवाह संपन्न कराए गए, जिस पर लगभग 115 करोड़ रुपए का व्यय किया गया। प्रदेश में गरीब, बुजुर्ग, कल्याणी एवं दिव्यांगजनों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। सामाजिक पेंशन योजना के अंतर्गत प्रति माह 337 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक के माध्यम से वितरित किए गए हैं। प्रदेश में सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। राज्य सरकार सभी पात्र हितग्राहियों को लाडली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में विवाह जन्म -जन्मान्तर तक चलने वाला पवित्र बंधन है। उन्होंने सामूहिक विवाह कार्यक्रम के माध्यम से गृहस्थ जीवन में प्रवेश करने वाले सभी दंपतियों को सुखमय जीवन की मंगलकामनाएं दीं। आष्टा में हुए कार्यक्रम में विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर, श्रीमती रचना मेवाड़ा जिला पंचायत अध्यक्ष सीहोर श्रीमती दीक्षा गुणवान जनपद पंचायत अध्यक्ष आष्टा तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

एम्स के छात्रों ने डेंगू और सार्स-कोव-2 निगरानी अनुसंधान में प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते

भोपाल। एम्स भोपाल में अकादमिक उत्कृष्टता और अनुसंधान नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में एम्स भोपाल के दो छात्रों को संक्रामक रोग निदान और निगरानी में उनके उत्कृष्ट अनुसंधान योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। द्वितीय

वर्ष एमबीबीएस छात्र कृष कौशल जो इंट्राम्यूरल स्टूडेंट्स रिसर्च ग्रांट के प्राप्तकर्ता भी हैं, को छात्र श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनका शोध जिसका शीर्षक है ऑन-साइट वायरल लोड इम्प्लिकेशन फॉर प्रॉग्नोसिस ऑफ डेंगू डिज़ीज़ यूज़िंग मोबाइल फोन- ए सेमी-क्वांटिटेटिव टेस्ट बेस्ड ऑन एनएस1 इमेज एनालिसिस प्रतिष्ठित मार्गदर्शकों प्रो. डॉ. रश्मि चौधरी, प्रो. डॉ. जगत आर. कंवर और श्री आशीष कुमार यादव के निर्देशन में किया गया। यह शोध मोबाइल इमेजिंग और रंग विश्लेषण विधियों का उपयोग करके डेंगू निदान में सुधार लाने की क्षमता रखता है। यह तकनीक एनएस1 एंटीजन स्तर के सटीक और त्वरित मूल्यांकन को सक्षम बनाती है, जिससे गंभीर डेंगू मामलों की शीघ्र पहचान में सहायता मिलती है और संसाधनों के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है।

एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि में सुश्री वृषाली डी पाटिल को अंतर्राष्ट्रीय जैव चिकित्सा विज्ञान अकादमी सम्मेलन -2025 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रो. नूरुल इस्लाम अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनके शोध का शीर्षक है सार्स-कोव-2 का स्टूल और सीवेज में सतत निगरानी-जीनोमिक प्रवृत्तियां और प्रकोप रोकथाम के लिए निहितार्थ। यह अध्ययन प्रो. डॉ. रश्मि चौधरी, प्रो. डॉ. जगत आर. कंवर (एम्स भोपाल), और डॉ. हरजीत सिंह मान (राज्य वायरोलॉजी लैब जीएमसी भोपाल) के मार्गदर्शन में किया गया। यह शोध इंट्रामुरल रिसर्च ग्रांट एम्स भोपाल और आईसीएमआर अनुदान द्वारा वित्त पोषित किया गया था। शोध से निष्कर्ष निकला कि सीवेज निगरानी एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में कार्य कर सकती है जो बिना लक्षण वाले वायरस संचरण का पता लगाकर सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों को बड़े प्रकोप से पहले कार्रवाई करने में सक्षम बनाती है।

एम्स भोपाल की एमडी छात्रा को दिव्यांग व्यक्तियों में बहु-रोगता पर शोध के लिए प्रतिष्ठित आईसीएमआर अनुदान प्राप्त

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। हाल ही में, डॉ. वैष्णवी गवांडे को प्रतिष्ठित डीएचआर - आईसीएमआर एमडी/एमएस थीसिस अनुदान से सम्मानित किया गया है। उनका शोध, जिसका शीर्षक है मध्य प्रदेश के भोपाल जिले में दिव्यांग व्यक्तियों में बहु-रुग्णता पर एक मिश्रित-पद्धति अध्ययन का उद्देश्य उपेक्षित समुदायों में बहु-रोगता के पैटर्न पर वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ाना और भविष्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए मार्ग प्रशस्त करना है। डॉ. वैष्णवी के शोध का मार्गदर्शन प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों द्वारा किया जा रहा है, जिनमें सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग में अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. पंकज प्रसाद, डॉ. अनिंदो मजूमदार, और डॉ. दीप्ति डाबर, साथ ही एम्स भोपाल के फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विट्ठल पुरी शामिल हैं।

यह अनुसंधान विकलांग व्यक्तियों में बहु-रोगता की मात्रा, पैटर्न और जुड़े हुए कारकों को समझने का प्रयास करता है। इसके अलावा, यह बहु-रोगता वाले और बिना बहु-रोगता वाले विकलांग व्यक्तियों की दैनिक जीवन की गतिविधियों पर निर्भरता का विश्लेषण करेगा तथा स्वास्थ्य देखभाल के प्रति उनकी धारणाओं, विश्वासों, अनुभवों, सहायक तत्वों और चुनौतियों को समझने का भी प्रयास करेगा। यह अध्ययन सामुदायिक स्वास्थ्य और विकलांगता अध्ययन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता रखता है, जिससे साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेपों और नीतियों को सशक्त बनाया जा सकता है। प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने डॉ. वैष्णवी गवांडे को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने इस शोध के महत्व पर जोर देते हुए कहा- मान्यता एम्स भोपाल की सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। डॉ. वैश्णवी गवांडे और उनके मार्गदर्शकों द्वारा किया गया यह अध्ययन विकलांग व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य देखभाल के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालेगा।

प्रदेश को सबसे बड़ी ताकत माइनिंग से मिलेगी : सीएम

खनिज राजस्व में 5 गुना वृद्धि का लक्ष्य

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में निवेश के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को माइनिंग के क्षेत्र में सबसे बड़ी ताकत मिलेगी। उन्होंने कहा कि माइनिंग सेक्टर में निवेश की असीमित संभावनाएँ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के माइनिंग सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जहाँ पत्थर उठाओ तो हीरा मिलता है। उन्होंने कहा कि खनिज राजस्व में 5 गुना वृद्धि का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेश का रिकॉर्ड बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में खनिज के अकूत भण्डार हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हीरे के साथ लाइम स्टोन, डोलोमाइट, सीमेंट, कॉपर, मैग्नीज और रॉक फास्फेट जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में सभी विभागों के समन्वय से खनन की सरल एवं लचीली नीति बनायी गयी है। उन्होंने कहा कि इन नीतियों से निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश करने में आसानी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निवेशकों को नीति से हटकर भी कोई सहयोग की आवश्यकता होगी, तो उसे भी पूरा किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिये नीतियों के बलबूते माइनिंग सेक्टर में बड़ी बढ़त देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हम रॉ-मटेरियल देने के साथ प्रदेश को निर्माण का केन्द्र भी बनायेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश संभावनाओं का प्रदेश है। यहाँ बसने वाले लोग बहुत ही सरल है। खनन के क्षेत्र में कार्य करने वाले निवेशकों को पूरा सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम भारत सरकार के माध्यम से भी खनन के क्षेत्र में पॉलिसी बनाकर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश देश में खनिज के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे प्रदेश के भू-गर्भ में छिपे खजाने को बाहर लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जीआईएस के बाद माइनिंग के लिये पृथक से भी समिट आयोजित की जायेगी।

सचिव, खान मंत्रालय श्री बी.एल. कांताराव ने कहा कि भोपाल का ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट अभी तक का सबसे बेहतरीन आयोजन है। उन्होंने कहा कि इस बार की समिट में माइनिंग में बड़े उद्योगपतियों ने सहभागिता की है। इससे मध्यप्रदेश में खनिज में निवेश की संभावनाएँ बढ़ी हैं। केन्द्रीय सचिव, श्री कांताराव ने कहा कि केन्द्र सरकार के खनिज में 4 विभाग हैं, जिनमें कोल, एटॉमिक, पेट्रोलियम, नेचुरल रिसोर्स और मिनिस्ट्री ऑफ माइंस हैं। इन सभी मिनरल्स की मध्यप्रदेश में बहुतायत है। श्री कांताराव ने कहा कि देश में सबसे ज्यादा माइन्स मध्यप्रदेश में हैं। उन्होंने कहा कि हर 4 माइन्स में से एक माइन्स प्रदेश में है। उन्होंने कहा कि खनिज का सबसे ज्यादा ऑक्शन करने वाला राज्य मध्यप्रदेश है। उन्होंने कहा कि देश की जियो लॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया कम्पनी 175 वर्ष पुरानी है, जिसने माइनिंग सेक्टर में अपार डेटा इकट्ठा किया है। उन्होंने निवेशकों से कहा कि डेटा स्टडी कर खनिज के क्षेत्र में कार्य करें। केन्द्रीय सचिव श्री कांताराव ने कहा कि माइनिंग के क्षेत्र में एक्सप्लोरेशन के लिये सरकार 100 प्रतिशत आर्थिक सहायता देगी। इसके साथ ही सरकार नई नीति के अंतर्गत एक्सप्लोरेशन कम्पनी को लागत का 50 प्रतिशत रिस्क कवर करेगी। केन्द्रीय सचिव श्री कांताराव ने कहा कि ओवर डम्प और रिसाइकिलिंग के लिये विशेष प्रावधान किये जा रहे हैं। इससे कम्पनियों को सहायता मिलेगी और निवेश मिलेगा।

॥ मंदिरम् ॥ 44

भुलेश्वर मंदिर, महाराष्ट्र

भुलेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित एक हिंदू मंदिर है जो पुणे से लगभग 45 किलोमीटर और पुणे-सोलापुर राजमार्ग से 10 किलोमीटर दूर यावत, महाराष्ट्र, भारत में स्थित है। आठवीं शताब्दी में बना यह मंदिर एक पहाड़ी पर स्थित है। दीवारों पर शास्त्रीय नक्काशी है। इसे संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है। मंदिर इसके बारे में लोक कथा के लिए भी जाना जाता है। जब शिव लिंग पर मिठाई (पेढ़ा) का कटोरा चढ़ाया जाता है, तो एक या अधिक मिठाइयाँ गायब हो जाती हैं। मंदिर में महिला वेश में गणेश की एक मूर्ति भी है। इसे गणेश्वरी, लम्बोदरी या गणेशयानी के नाम से जाना जाता है। गणेश के अलावा, शिव और कार्तिकेयन के महिला संस्करण भी हैं। गणेश के अलावा, शिव और कार्तिकेयन के महिला संस्करण भी हैं। मंदिर का जीर्णोद्धार 1200 के दशक में राजा कृष्णदेवराय ने करवाया था। मुगल आक्रमणकारियों ने मंदिर पर बुरी तरह हमला कर विकृत कर दिया था।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह का भोपाल आगमन पर आत्मीय स्वागत

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का मंगलवार को भोपाल आगमन पर आत्मीय स्वागत किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह शाम 4 बजे विशेष विमान से के राजकीय विमानतल पर पहुंचे। राजकीय विमानतल पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका पुष्प-गुच्छ भेंट कर हार्दिक अभिनंदन किया।

महाशिवरात्रि

महाशिवरात्रि पर रात 2.30 बजे खुले महाकाल मंदिर के पट

44 घंटे तक होंगे दर्शन, कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष महोत्सव में एक लाख लोग पहुंचे

उज्जैन/सीहोर (नप्र)। महाशिवरात्रि पर्व पर मंगलवार रात 2:30 बजे महाकालेश्वर मंदिर के पट खुले। अगले 44 घंटे तक भक्त भगवान महाकाल के दर्शन कर सकेंगे। वहीं, सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार से रुद्राक्ष महोत्सव शुरू हो गया है। यह महोत्सव 3 मार्च तक चलेगा। महोत्सव के पहले ही दिन एक लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए हैं। मंगलवार को महाकाल मंदिर में 2 हजार किलो फूल लाए गए। इनकी कीमत 30 लाख रुपए है।

उज्जैन: बिना परमिशन कर पाएंगे महाकाल के दर्शन- महाशिवरात्रि पर महाकाल मंदिर में भस्म आरती में बिना परमिशन वाले श्रद्धालुओं को भी प्रवेश मिलेगा। ऐसे भक्त, जिन्हें अनुमति नहीं मिली है, वे चलती भस्म आरती के दर्शन कर सकेंगे। शिवरात्रि पर्व पर भक्तों की लाइन चारधाम मंदिर के पास से लगेगी, जहां से श्रद्धालु शक्ति पथ होते हुए नंदी द्वार से महाकाल लोक और फिर मानसरोवर होते हुए भगवान महाकाल के दर्शन कर सकेंगे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने ट्रैफिक डायवर्शन और अन्य सुरक्षा उपायों की योजना बनाई है।

उज्जैन में इन रास्तों पर जाने से बचें- हरी फाटक, बेगमबाग, महाकाल चौराहा, तोपखाना, गुदरी चौराहा, पटनी बाजार, गोपाल मंदिर, हरसिद्धि की पाल, जयसिंहपुरा, जंतर मंतर, चिंतामण रोड और नीलगंगा क्षेत्र में भीड़ अधिक रहने की संभावना है। दोपहिया वाहन चालकों

को भी परेशानी हो सकती है, इसलिए यदि बहुत जरूरी न हो तो इन क्षेत्रों में वाहन लेकर न जाएं।

तीन दिन, 12 रास्तों पर वाहन प्रतिबंधित- 25 से 27 फरवरी तक यातायात को नियंत्रित करने और जाम से बचने के लिए 12 रास्तों पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। 10 स्थानों पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की गाड़ियों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की गई है। भारी वाहनों को रूट डायवर्ट कर बायपास से निकाला जाएगा ताकि ट्रैफिक जाम न हो। ट्रैफिक डीएसपी दिलीप सिंह परिहार ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। यातायात को सुगम बनाने के लिए 25 से 27 फरवरी तक के लिए ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है, जिसमें डायवर्सन और पार्किंग व्यवस्था तय की गई है।

1600 पुलिसकर्मी, 200 सीसीटीवी और 3 ड्रोन से निगरानी

महाशिवरात्रि पर्व पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत 1600 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है, जिनमें 150 महिला पुलिसकर्मी, 150 ट्रैफिक पुलिस के जवान, 4 एडिशनल एसपी, 12 डीएसपी और 24 इंस्पेक्टर शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि महाकाल मंदिर क्षेत्र और शहर के मुख्य मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहेगा। 200 सीसीटीवी और 3 ड्रोन कैमरों से लगातार निगरानी की जाएगी ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति को रोका जा सके।

कुबेरेश्वर धाम - शिवरात्रि से पहले भर गए डोम

सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार से शुरू हुए रुद्राक्ष महोत्सव को लेकर दो दिन पहले से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। रविवार रात तक पंडाल और डोम श्रद्धालुओं से भर गए। रेलवे ने कुबेरेश्वर धाम आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 11 स्पेशल ट्रेन चलाई हैं। पंडित प्रदीप मिश्रा ने पंडाल की भोजनशाला में हजारों श्रद्धालुओं को नुक्ती, मिक्चर, रोटी, सब्जी और खिचड़ी-चावल का प्रसाद वितरित किया।

प्रसिद्ध भजन गायक देंगे प्रस्तुति

कथा पंडाल बनाया गया है। भोजन-प्रसादी के लिए 11 एकड़ में विशेष व्यवस्था की गई है। महोत्सव में 27 फरवरी और 1 मार्च को प्रसिद्ध भजन गायक अपनी प्रस्तुति देंगे। बंगाल से विशेष कलाकारों को बुलाया गया है। 60 एकड़ एरिया में लाइटिंग की गई है। हाईवे से कथास्थल तक 40-40 फीट के एक दर्जन से ज्यादा लाइटिंग वाले गेट बनाए गए हैं।

महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से 2000 से अधिक सेवादार व्यवस्था के लिए पहुंचे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए तीन हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए आईसीयू की भी व्यवस्था की गई है।

भोपाल में बादल, पचमढ़ी में ठंड

एमपी में आज भी मौसम में ठंडक रहेगी, फिर 4 डिग्री बढ़ेगा पारा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में हल्की ठंड ने फिर से दस्तक दी है। पिछले 3 दिन से दिन-रात के पारे में 2 से 5 डिग्री तक की गिरावट हुई है। वहीं, सोमवार को भोपाल में बादल छाए रहे थे जबकि पचमढ़ी की रात सबसे ठंडी रही। ऐसा ही मौसम मंगलवार को भी बना रहा, लेकिन इसके बाद पारे में 2 से 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

सोमवार को भोपाल, इंदौर, दमोह, उमरिया, बालाघाट समेत कई

शहरों में दिन के तापमान में गिरावट हुई। वहीं, रतलाम, उज्जैन, खंडवा, खरगोन, नर्मदापुरम, गुना, बैतूल, जबलपुर आदि शहरों में पारे में बढ़ोतरी हुई। खंडवा-खरगोन और रतलाम में तो तापमान 33 डिग्री के पार पहुंच गया। इन शहरों में मंगलवार को पारा लुढ़क सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, अभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम की वजह से ऐसा मौसम है। मंगलवार को भी असर बना रहेगा, लेकिन बुधवार से पारे में फिर से बढ़ोतरी होने लगेगी। इससे दिन-रात में हल्की गर्मी का एहसास होगा।

फरवरी के आखिरी दिनों में भी पारे में गिरावट के आसार- मौसम वैज्ञानिक प्रमेंद्र कुमार रैकवार ने बताया, फरवरी में कई वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होते हैं। अबकी बार भी ऐसा ही है। इस वजह से पारे में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। फिलहाल बारिश होने के आसार नहीं है। आखिरी एक-दो दिन में फिर से पारा लुढ़क सकता है।

महाकुंभ की व्यवस्थाओं की तारीफ भी करें, सिर्फ आलोचना नहीं

एक्टर अखिलेंद्र मिश्रा बोले-60-70 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं, यह छोटी बात नहीं

भोपाल (नप्र)। भोपाल पहुंचे बॉलीवुड अभिनेता और रंगकर्मी अखिलेंद्र मिश्रा ने महाकुंभ मेले की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा, 60-70 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं, यह कोई छोटी बात नहीं है। इतनी बड़ी व्यवस्था के बावजूद लोग सिर्फ भगदड़ की चर्चा कर रहे हैं, लेकिन व्यवस्थाओं की तारीफ भी होनी चाहिए। मैं देख रहा हूं कि भारत में लोग अब सरकार की आलोचना करने लगे हैं, जो सही नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि फिलहाल वे कुंभ में नहीं गए हैं, लेकिन जल्द ही वहां जाने की योजना है। बता दें कि अखिलेंद्र मिश्रा अपनी आने वाली फिल्म किस किस को प्यार करूं-2 की शूटिंग के लिए भोपाल पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से अपने अनुभव साझा किए।

बॉलीवुड में विक्की कौशल ने खुद को साबित किया- अखिलेंद्र मिश्रा ने कहा कि, भारतीय सिनेमा में एक बहुत बड़ा सितारा तब आता है। जब वह अपनी कड़ी मेहनत, प्रतिभा और दृढ़ निश्चय से खुद को साबित करता है। विक्की कौशल ने भी यही किया है। 'छावा' की सफलता इस बात का प्रमाण है कि, वह एक शानदार अभिनेता हैं। मैंने उनकी कई फिल्में देखी हैं और हर बार वे एक नए अंदाज में नजर आते हैं। 'उरी' अब 'छावा' जैसी फिल्मों में उन्होंने जो प्रदर्शन दिया है, वह सराहनीय है। मुझे लगता है कि भारतीय फिल्म उद्योग को एक बड़ा और दमदार सितारा मिल चुका है। आप छावा को देखें, यह फिल्म 250 करोड़ का बिजनेस कर चुकी है।

बॉलीवुड में सिर्फ दो एक्टर हैं

अखिलेंद्र मिश्रा कहते हैं कि, कलाकार की अपनी यात्रा होती है। तीनों खानों ने भारतीय सिनेमा में अमिट छाप छोड़ी है और आज भी अपनी जगह बनाए हुए हैं। मगर मैं एक्टर की बात करूं तो वह सिर्फ दो ही हैं। एक हैं दिलीप कुमार और दूसरे अमिताभ बच्चन।

खाद्य प्रसंस्करण में मध्यप्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएँ : केन्द्रीय कृषि मंत्री

निवेश प्रोत्साहन के लिये मध्यप्रदेश में सिंगल विण्डो प्रणाली लागू : उद्यानिकी मंत्री कुशवाह

भोपाल (नप्र)। कृषि, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा इनवेस्ट मध्यप्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में आयोजित सीड टू सेल्फ इन लांचिंग इन्वेस्टमेंट अपार्चुनिटी इन एमपी एग्री फूड एण्ड डेयरी सेक्टर पर आयोजित सत्र में केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएँ हैं। मध्यप्रदेश निवेश के लिये आवश्यक अधोसंरचना के साथ एक लाख हैक्टेयर का लैण्ड बैंक रखने वाला देश का पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी फसलों के अंतर्गत टमाटर, मटर, प्याज, लहसुन, मिर्च, गेहूँ और चावल उत्पादन में देश अग्रणी है। उन्होंने कहा कि कृषि-उद्यानिकी उत्पादन की प्रचुर मात्रा में उत्पादन से किसान को फसल का भरपूर दाम नहीं मिल पाता है। इसलिये आवश्यक है कि प्रदेश में फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा दिया जाये। इससे फसलों का वैल्यू एडीशन होगा। किसान और उत्पादक इकाई, दोनों लाभान्वित होंगे। इसी तरह भारत पूरी दुनिया में फूड प्रोसेसिंग के लिये वर्ल्ड लीडर बन सकता है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय कृषि मंत्रालय फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिये बीज और पौध की नवीन किस्म विकसित करवा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के कृषि उत्पादन को विदेशों में बेहतर मांग मिल सके, इसके लिये भारत सरकार द्वारा चावल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी शून्य कर दी है। साथ ही ऑइल पर इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाकर 27 प्रतिशत कर दी है। इसका लाभ देश की फूड प्रोसेसिंग इकाइयों को मिलेगा। उन्होंने सभी निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिये भरपूर सहयोग का आश्वासन भी दिया।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने इनवेस्ट मध्यप्रदेश ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2025 में आये सभी निवेशकों ओर विषय-विशेषज्ञों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, अपनी समृद्ध कृषि, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण क्षमताओं के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। प्रदेश के उद्यानिकी उत्पादों ने देश में अलग पहचान बनायी है। प्रदेश के 27 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में उद्यानिकी फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। इसे आगामी 5 वर्षों में बढ़ाकर 32 लाख हेक्टेयर तथा उत्पादन 400 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 500 लाख टन करने का लक्ष्य रखा गया है।

देश के कुल जैविक उत्पादन में मध्यप्रदेश की भागीदारी 40 प्रतिशत है। प्रदेश का रियावन लहसुन और सुंदरजा आम विश्व बाजार में अपनी अलग पहचान रखता है। हमारी सरकार ने कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में विशेष निवेश योजनाओं को लागू करते हुए 'एक जिला-एक उत्पाद' पहल के तहत 52 जिलों की विशिष्ट फसलें चिन्हित की हैं। राज्य सरकार द्वारा बनायी गयी नवीन निवेश नीतियों को निवेशकों के अनुकूल बनाया गया है। साथ ही इन नीतियों के निर्धारण के लिये निवेशकों के सुझाव भी राज्य सरकार द्वारा खुले मन से आमंत्रित किये गये हैं। निवेश प्रोत्साहन के लिये सिंगल विण्डो प्रणाली रखी गयी है, जिसमें भूमि का आवंटन एवं सभी प्रकार की अनुमतियां कम से कम समय में मिल सकेंगी। किसानों की आय, रोजगार, निवेश तथा निर्यात में वृद्धि राज्य सरकार का संकल्प है।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री मोहम्मद सुलेमान ने कहा कि फसल को खेत से बाजार तक पहुंचाने और उसे वाजिब दाम उपलब्ध कराने पर विस्तृत चर्चा करने की आवश्यकता है। उन्होंने मध्यप्रदेश में कृषि, पशुपालन एवं उद्यानिकी के महत्व और उनके निर्यात संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में राज्य के कृषि, खाद्य प्र-संस्करण एवं डेयरी क्षेत्रों में निवेश के नए अवसरों पर व्यापक चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में विभिन्न विशेषज्ञों ने किसानों, उद्यमियों और निवेशकों के लिए नवाचार, तकनीकी प्रगति एवं सरकारी नीतियों के महत्व पर रोशनी डाली।

प्रमुख सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण श्री अनुपम राजन ने कहा कि प्रदेश में निवेश का बेहतर माहौल तैयार किया जा रहा है। राज्य की सशक्त अधोसंरचना के अंतर्गत 8 फूड पार्क, 2 मेगा फूड पार्क, 5 कृषि प्र-संस्करण क्लस्टर एवं एक लॉजिस्टिक पार्क निवेशकों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान कर रहे हैं। इसके साथ ही, सिंगल विंडो प्रणाली के माध्यम से भूमि आवंटन एवं सभी प्रकार की अनुमतियाँ शीघ्र उपलब्ध कराई जा रही हैं। मिनी योजनाओं से लेकर उन्नत फ्रोजन लॉजिस्टिक अधोसंरचना तक के अनेक कदम उठाये जा रहे हैं, जिससे किसानों की आय, रोजगार एवं निर्यात में वृद्धि सुनिश्चित होगी। उद्यानिकी के समग्र विकास एवं वैश्विक स्तर पर वृद्धि करने के लिये भारत सरकार के सहयोग से विशेष फसल आधारित क्लस्टर का चयन किया गया है। जैसे निमाड़ में मिर्च, गुना-राजगढ़ में धनिया, बुंदेलखण्ड में अदरक, बघेलखण्ड में हल्दी, बुरहानपुर में केला, मटर, जबलपुर, देवास और इंदौर में आलू के क्लस्टर चयनित किये गये हैं। इसके लिये केन्द्र सरकार द्वारा 500 करोड़ का प्रावधान किया गया है जिसमें प्रदेश सरकार आनुपातिक राशि का निवेश करेगी। उन्होंने बताया कि छोटे उद्यमियों द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना अंतर्गत 930 करोड़ रुपये की इकाइयां स्थापित की जा रही हैं।

केन्द्रीय सचिव कृषि श्री सुब्रत गुप्ता ने कहा कि फूड प्रोसेसिंग भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। हमारे घरों में फूड प्रोसेसिंग का लगातार उपयोग होता है। बदलते परिवेश में रेडी-टू-फूड और रेडी-टू-ईट फूड की मांग लगातार बढ़ रही है। इससे भारत दुनिया में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकता है। केन्द्र सरकार द्वारा फूड प्रोसेसिंग को प्रोत्साहित करने के लिये 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। नये उद्यमी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

आयुक्त उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण श्रीमती प्रीति मैथिल ने मध्यप्रदेश में उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण के संबंध में उपलब्ध संसाधनों और भविष्य की संभावनाओं पर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में वह सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं, जिनकी आवश्यकता नई फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना के लिये होती है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश मसाला फसलों के उत्पादन में देश में प्रथम, फल उत्पादन में द्वितीय और दुग्ध उत्पादन में तृतीय स्थान पर है। प्रदेश में 11 एग्रो क्लाइमेटिक जोन हैं। परिवहन के लिये 700 रेलवे स्टेशन, 60 फ्लाइट्स तथा 9 इनलैण्ड पोर्ट स्थित हैं। मध्यप्रदेश में कृषि विपणन के लिये कृषि उपज मण्डियों की सुदृढ़ श्रंखला है। इनमें एक लाख करोड़ मीट्रिक टन कृषि उत्पादन का विक्रय प्रतिवर्ष किया जाता है। वर्तमान में प्रदेश में 4 हजार फूड प्रोसेसिंग यूनिट कार्य कर रही हैं।

पहली पैनल फॉम फार्म-टू-मार्केट में श्री एस. गणेश कुमार (एग्री बिजनेस आईटीसी लिमिटेड) ने कृषि, डेयरी और बागवानी के महत्व के साथ-साथ मूल्य श्रृंखला को बढ़ाने हेतु खाद्य प्रसंस्करण के अवसरों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने किसानों द्वारा उत्पाद को बाजार तक पहुंचाने की प्रक्रिया, परिवहन से जुड़ी चुनौतियाँ एवं तकनीकी सहायता द्वारा इसे सुगम बनाने के उपायों पर विशेष जोर दिया।

दूसरी पैनल टेक्नोलॉजिकल इंटरवेंशन एण्ड पोस्ट-हॉर्वेस्ट मैनेजमेंट में श्री प्रतीक शर्मा (ग्रीन एण्ड ग्रेन्स) के संस्थापक ने कटाई के बाद प्रबंधन में आने वाली समस्याओं और कोल्ड चेन जैसी तकनीकी नवाचारों के माध्यम से होने वाले सुधारों पर प्रकाश डाला।

बेटे ने मां की फावड़े से की हत्या

भिंड में 6 घंटे शव के पास बैठा रहा आरोपी

बहन बोली- पत्नी के कारण मार डाला

भिंड (नप्र)। भिंड में एक युवक ने अपनी मां की फावड़े से हत्या कर दी। वह करीब 6 घंटे तक शव के पास बैठा रहा। इसके बाद उसने खुद ही परिजन को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस भी वहां पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। महिला की बेटी ने कहा कि भाई ने उसकी पत्नी के कारण मां को मार डाला।

घटना मंगलवार सुबह लहार कस्बे के जमुहा गांव की है। लहार थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा के मुताबिक सावित्री (60) पत्नी स्व. मंगल प्रसाद दौहरे और उसके इकलौते बेटे रामबाबू दौहरे के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। दरअसल, सात साल पहले रामबाबू की पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी और दूसरी शादी कर ली थी। रामबाबू इस बात के लिए अपनी मां को जिम्मेदार ठहराता था। इसी को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे।

रात भर मां-बेटे के बीच तीखी बहस- बीती रात भी मां-बेटे के बीच तीखी बहस हुई, जो तड़के 3-4 बजे तक जारी रही। इसी दौरान गुस्से में आकर रामबाबू ने अपनी मां पर फावड़े से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दोपहर में उसने बहनोई बुधु सिंह जाटव को इसकी जानकारी दी।

पत्नी ने कर ली है दूसरी शादी- मृतका की बेटी और दामाद का आरोप है कि रामबाबू ने अपनी पत्नी के कारण मां की हत्या की। वह अब भी अपनी पत्नी को पैसे भेजता था, जबकि उसकी पत्नी दूसरी शादी कर चुकी है और उसके तीन बच्चे भी हैं। इसी को लेकर मां विरोध करती थी, जिससे नाराज होकर बेटे ने यह खौफनाक कदम उठाया।

आरोपी बोला- मां गालियां देती थी- फिलहाल, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि मां उसे गालियां देती थी, जिससे गुस्से में आकर उसने हत्या कर दी। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। शव का पोस्टमॉर्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है।

प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर दफ्तर को आईएसओ 9001-2015

भोपाल बना सर्टिफिकेट पाने वाला देश का पहला प्रशासनिक आयकर कार्यालय

भोपाल (नप्र)। भोपाल के प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर कार्यालय को लोक प्रशासन के लिए आईएसओ 9001:2015 सर्टिफिकेट दिया है। यह सर्टिफिकेट लेने के बाद प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त पुरुषोत्तम त्रिपुरी ने कहा है कि यह अफसरों की सेवाओं का प्रतिफल है। इसे आगे भी जीवंत बनाए रखना होगा। यह सर्टिफिकेट पाने वाला यह भारत का पहला प्रशासनिक आयकर कार्यालय है।

नवीन आयकर भवन भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय भोपाल को लोक प्रशासन की कैटेगरी में आईएसओ 9001:2015 सर्टिफिकेट दिया है। यह सर्टिफिकेट यूनिवर्सल सर्टिफिकेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड भोपाल ने क्वालिटी मैनेजमेंट सर्विसेस के लिए दिया है। यह सर्टिफिकेट पाने वाला यह भारत का पहला प्रशासनिक आयकर कार्यालय है।

यह उपलब्धि प्रशासन के लिए मील का पत्थर- प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़) पुरुषोत्तम त्रिपुरी ने कहा कि इस कार्यालय में पदस्थ सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के कुशलता पूर्वक संपन्न किए गए कार्यों और उपलब्धियों के आधार पर यह सर्टिफिकेट प्राप्त मिला है।

सर्टिफिकेट हमारी साख बढ़ाएगा

त्रिपुरी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह सर्टिफिकेट हमारी साख को बढ़ाएगा और हमारी संचालन क्षमता में सुधार होगा। उन्होंने अपेक्षा जताई कि भविष्य में भी हम सभी इसी लगन और मेहनत के साथ अपने कार्यों को करते रहें। यह सर्टिफिकेट पाने वाला यह भारत का पहला प्रशासनिक आयकर कार्यालय है। यूनिवर्सल सर्टिफिकेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड भोपाल के प्रबंध निदेशक सिंधु भूषण कुमार ने यह सर्टिफिकेट प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त त्रिपुरी को सौंपा है।

डीजी इन्वेस्टिगेशन सतीश गोयल ने कहा- आईएसओ 9001-2015 सर्टिफिकेशन हम सभी को आगे और अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

ये रहे मौजूद- कार्यक्रम में आयकर आयुक्त प्रशासन राजेश कुमार, आयकर आयुक्त सत्यपाल सिंह मीणा, आयकर उपायुक्त डॉ चेतन शर्मा, आयकर अधिकारी संतोष निगम और नीरज अग्रवाल मौजूद रहे।